YouTube Subscribe Amar Bhaskar News | @amarbhashkarnews | Amar bhashkar

हिन्दी दैनिक

अमर भास्कर

ज़िद सच की

उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, मध्यप्रदेश, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ एवं उत्तराखंड में प्रसारित

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बोले- असफलता से ०1

Email- amarbhashkar21@gmail.com, www.amarbhashkar.in

यूपी पुलिस को सुप्रीम कोर्ट की फटकार, सुधार की ०1

वर्ष: ०2 अंक: 135 | बदायूं, सोमवार ०2 दिसबंर 2024 | पृष्ठ- ०8 | मूल्य- 4.०० रूपये

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बोले-

असफलता से सीख लेंगे तो होंगे कामयाब

कानपुर। आप बच्चों को संकल्प लेना होगा। उनमें ज्ञान की जिज्ञासा, माता पिता के प्रति सम्मान, शिक्षकों के प्रति आदर होना चाहिए। यह छात्र जीवन कभी वापस नहीं आएगा। आप लोग जिज्ञासा रखें। आपके मन में करियर के लिए जो भी हो उस ओर कार्य करें। अगर आप खेल में जाना चाहते हैं तो जाएं। आपका मन जिस ओर है उस तरफ कार्य करें। समाज में जो विकार हैं उसको हटाने का एकमात्र साधन शिक्षा है। हर व्यक्ति को इसलिए शिक्षा का अधिकार दिया गया है। कभी तनाव न लें, गलतियां सभी से होती हैं। असफलता से न घबराएं। अगर आपने असफलता

से सीख ले ली है तो आप जरूर कामयाब होंगे। मैं उद्यमियों से अपील करता हूं कि आप रिसर्च एंड डेवलेपमेंट पर खर्चा करें। यह बातें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कही। वह रविवार को सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल के स्वर्ण जयंती संस्थापक दिवस समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि हमारे मन में सदा रहना चाहिए कि भारत जैसा कोई दूसरा देश नहीं है। आप बहुत ही भाग्यशाली हैं। भारत किसी का मोहताज नहीं है। आज देश की जीडीपी ग्रोथ आठ प्रतिशत हो गई है। मुझे बढ़ा अच्छा लग रहा है कि आज जयपुरिया परिवार के सभी लोग उपस्थित हैं।

मुख्य अतिथि ने स्कूल परिसर में पौधारोपण से शुरुआत की। स्कूल के हेडबॉय, हेडगर्ल और विभिन्न हाउस के हेड बॉय व गर्ल के साथ फोटो खिंचाई। राष्ट्रगान के साथ दीप प्रज्वलन हुआ। उप राष्ट्रपति ने नए भारत के निर्माण में शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने देश के युवाओं की क्षमता, ज्ञान और कौशल के माध्यम से इस क्षमता का दोहन करने की आवश्यकता के बारे में बात की। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राष्ट्र निर्माण के लिए प्रगतिशील दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए जयपुरिया स्कूल की प्रशंसा की। उप राष्ट्रपति ने औद्योगिक घरानों को रिसर्च एंड डेवलेपमेंट में निवेश करने की अपील की। कहा कि वह अपने सीएसआर फंड का इस्तेमाल करें, जिससे ईडब्ल्यूएस छात्रों को बेहतर शिक्षा मिल सके। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, विधान सभा के अध्यक्ष सतीमा महाना और सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान, जयपुरिया ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष शिशिर जयपुरिया, सलाहकार विनोद मल्होत्रा, निदेशक स्कूल और आईटी हरीश संदूजा, स्कूल प्रिंसिपल शिखा बनर्जी, उप प्रधानाचार्य गणेश तिवारी मौजूद रहे।

महाराष्ट्र को जो नुकसान हुआ उसके जिम्मेदार जस्टिस चंद्रचूड़ हैं

पूर्व सीजेआई पर भड़के संजय राउत

मुंबई। महाराष्ट्र चुनाव नतीजे को शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने गलत बताते हुए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ पर ठीकरा फोड़ा है। उन्होंने महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों को संविधान के खिलाफ बताया और राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की। चुनाव नतीजे घोषित हुए एक हफ्ते से ज्यादा समय बीत चुका है और अभी तक महाराष्ट्र में सीएम के नाम का एलान नहीं हुआ है। इस पर शिवसेना यूबीटी नेता ने तंज कसा।

संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में ऐसी सरकार सत्ता में है, जो संविधान के अनुसार गलत है। इस सरकार को सुप्रीम कोर्ट का समर्थन मिला और इसके लिए तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ जिम्मेदार हैं। संजय राउत ने पूर्व सीजेआई पर शिवसेना विधायकों की अयोग्यता के मामले में देरी से

सुनवाई करने का आरोप लगाया। ऐसा नहीं है कि महाराष्ट्र चुनाव में हार के लिए संजय राउत ने पहली बार पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ पर ठीकरा फोड़ा है, इससे पहले भी वह ऐसा बयान दे चुके हैं। हाल ही में संजय राउत ने कहा था कि श्जो नतीजे आए हैं और महाराष्ट्र को जो नुकसान हुआ है, उसके लिए डीवाई चंद्रचूड़ जिम्मेदार हैं। उन्होंने समय पर विधायकों की अयोग्यता पर फैसला नहीं दिया। संजय राउत ने कहा कि अगर जस्टिस चंद्रचूड़ ने समय पर अपना फैसला दिया होता तो भविष्य में कोई ऐसा करने की हिमाकत नहीं करता। इतिहास इसके लिए कभी भी जस्टिस चंद्रचूड़ को माफनहीं करेगा। महाराष्ट्र इसे याद रखेगा। संजय राउत ने कहा कि 4० विधायक जिस पार्टी से चुनकर आए, उससे बेईमानी करके सत्ता पर काबिज हो गए, लेकिन जस्टिस चंद्रचूड़ ने इस मामले में समय पर फैसला नहीं दिया और एक तरह से वह दरवाजा खुला छोड़ दिया, जिससे आगे भी ऐसा हो सकता है। जस्टिस चंद्रचूड़ पर संविधान की रक्षा की जिम्मेदारी थी।

एक नजर

वीडियों से सांसद पप्पू यादव को फिर मिली धमकी

पटना। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को इस बार खुलेआम धमकी मिली है। धमकी देने वाले ने वीडियो जारी कर पांच से छह दिनों में सांसद की हत्या का दावा किया है। वीडियो जारी कर युवक ने कहा कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग, पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव का कत्ल अगले पांच से छह दिनों में करने जा रहा है। वीडियो व्हाट्सएप नंबर (748०84०395) से सांसद को भेजा गया है। इसमें धमकी देने वाले ने कहा है कि पप्पू यादव को मारने को ऑर्डर मिला है। हमलोग बहुत जल्द पप्पू यादव की हत्या कर देंगे। हमलोग पटना पहुंच चुके हैं। इससे पहले शुक्रवार को भी उन्हें आखिरी 24 घंटे तक मजा करने की महौलत दी थी। धमकी में लिखा गया था कि आखिरी 24 घंटे हैं पप्पू यादव तेरे पास। एक धमाके का वीडियो भी व्हाट्सएप पर पप्पू यादव को भेजा गया था। इसके बाद धमकी देने वाले ने पप्पू यादव को लिखा था कि गार्ड भी तुम्हें नहीं बचा पाएंगे। इतना ही नहीं धमकी देने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताते हुए सात सेकेंड का धमाके से जुड़ा एक वीडियो भी भेजा।

सीएम का नाम तय, बस शीर्ष नेतृत्व की मंजूरी का इंतजार, पूर्व मंत्री बोले लोग उनसे वाफिक

मुंबई। भाजपा नेता रावसाहेब दानवे ने रविवार को अपने एक बयान में कहा कि महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री का नाम तय हो गया है और अब बस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की मंजूरी का इंतजार है। पूर्व केंद्रीय मंत्री दानवे ने किसी का नाम लिए बिना कहा कि महाराष्ट्र के लोग जानते हैं कि अगला सीएम कौन होगा। गौरतलब है कि महाराष्ट्र भाजपा के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने शनिवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया था कि महायुति सरकार का शपथ ग्रहण समारोह पांच दिसंबर को दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान पर होगा। हालांकि बावनकुले ने ये नहीं बताया कि सीएम पद की शपथ

कौन लेगा। ऐसे में महाराष्ट्र के नए सीएम को लेकर संशय बरकरार है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, महाराष्ट्र के अगले सीएम की रेस में देवेंद्र फ्डणवीस का नाम सबसे आगे है। वह दो बार राज्य के सीएम और पिछली सरकार में डिप्टी सीएम रह चुके हैं। चुनाव नतीजों के बाद एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फ्डणवीस सीएम पद की रेस में थे, लेकिन कुछ दिन पहले एकनाथ शिंदे ने भी ऐसे संकेत दे दिए थे कि उन्हें भाजपा की मुख्यमंत्री मंजूर है। उसके बाद ऐसा माना जा रहा था कि जल्द ही देवेंद्र फ्डणवीस की ताजपोशी हो जाएगी, लेकिन दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात के बाद जिस तरह से एकनाथ शिंदे अचानक से अपने सतारा स्थित गांव पहुंचे, उसके बाद अटकलों का दौर शुरू हो गया। ऐसा कहा गया कि एकनाथ शिंदे नई सरकार के गठन से खुश नहीं हैं। अपने गांव पहुंचकर शिंदे की तबीयत भी खराब हो गई। हालांकि अब शिंदे के रविवार शाम तक मुंबई लौटने की चर्चा है। मीडिया रिपोर्ट्स में पूर्व केंद्रीय मंत्री राव साहेब दानवे के हवाले से कहा गया कि लोगों को पता है कि महाराष्ट्र का अगला सीएम कौन होगा। दानवे ने कहा कि हम सिर्फअपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं द्वारा उस नेता के नाम को मंजूरी दिए जाने का इंतजार कर रहे हैं। मंत्रिमंडल में किस-किस को शामिल किया जाएगा?

प्रजनन दर 2.1 से नीचे नहीं जानी चाहिए, मोहन भागवत ने जताई चिंता

दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने जनसंख्या में गिरावट को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने आधुनिक जनसंख्या विज्ञान का हवाला देते हुए बताया कि जब किसी समाज की जनसंख्या (प्रजनन दर) 2.1 से नीचे चला जाता है तो वह समाज धीरे-धीरे पृथ्वी से लुप्त होने की कगार पर होता है। संकट न होने पर भी वह समाज नष्ट हो जाता है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, ष्जनसंख्या में गिरावट चिंता का विषय है। आधुनिक जनसंख्या विज्ञान कहता है कि जब किसी समाज की जनसंख्या (प्रजनन दर) 2.1 से नीचे चली जाती है तो वह समाज पृथ्वी से लुप्त हो जाता है। संकट न होने पर भी वह समाज नष्ट हो जाता है। इस तरह अनेक भाषाएं और समाज नष्ट हो गए। जनसंख्या 2.1 से नीचे नहीं जानी चाहिए। हमारे देश की जनसंख्या नीति 1998 या 2००2 में तय की गई थी। इसमें यह भी कहा गया है कि किसी समाज की जनसंख्या 2.1 से कम नहीं होनी चाहिए। जनसंख्या विज्ञान का कहना है कि हमें दो या तीन से अधिक बच्चे पैदा करने की आवश्यकता है।

प्रियंका गांधी बोली- हमारी लड़ाई देश की आत्मा के आत्मा के लिए

वायनाड दौरे पर प्रियंका गांधी ने भाजपा को घेरा

केरल। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने रविवार को वायनाड के मनंतवाडी में एक रैली की। उन्होंने इस रैली को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने भाजपा नीत केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि आज लड़ाई उस ताकत के खिलाफ है जो लोगों के अधिकारों को कमजोर करके उसे अपने व्यापारी मित्रों के हवाले कर रही है। प्रियंका गांधी ने बताया कि कांग्रेस अपने राष्ट्र की भावना के लिए लड़ रही है।

मनंतवाडी में रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा, आज हम अपने राष्ट्र की भावना, भारत की आत्मा के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, हम एक ऐसी ताकत के खिलाफ लड़ रहे हैं जो हमारे देश की नींव पर बनी संस्थाओं को नष्ट करने के लिए

हरसंभव कोशिश कर रही है। प्रियंका गांधी ने लोगों के साथ रहने और उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ने का वादा किया।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने रविवार को वायनाड के मनंतवाडी में एक रैली की। उन्होंने इस रैली को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने भाजपा नीत केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि आज लड़ाई उस ताकत के खिलाफ है जो लोगों के अधिकारों को कमजोर करके उसे अपने व्यापारी मित्रों के हवाले कर रही है। प्रियंका गांधी ने बताया कि कांग्रेस अपने राष्ट्र की भावना के लिए लड़ रही है। बता दें कि प्रियंका गांधी वायनाड की दो दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरे में राहुल गांधी भी उनके साथ हैं। शनिवार को प्रियंका ने तिरुवंबाडी के मुक्कम, निकंबूर के कौलाई, कोझीकोड के वंदूर और एडवन्ना और मलप्पुरम में आयोजित रैलियों में हिस्सा लिया।

हिंसाग्रस्त इलाके में पहुंचा न्यायिक आयोग, कहा दो माह चलेगी जांच

अमर भास्कर, ब्यूरो

संभल। जिले में जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर हुई हिंसा की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग की टीम ने रविवार को हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। टीम ने जिलाधिकारी, एसपी और अन्य अधिकारियों के साथ जामा मस्जिद सहित उन सभी स्थानों का गहन निरीक्षण किया, जहां हिंसा और पथराव हुआ था। इस घटना में पांच लोगों की मौत हो गई थी और 19 पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

उधर, पूर्व डीजीपी और तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग के सदस्य एके जैन ने रविवार को

पुष्टि की कि 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा की जांच अगले दो महीने तक जारी रहेगी। आयोग के सदस्य जैन ने कहा कि यह जांच पूरी तरह से घटनाओं की तह तक पहुंचेगी।

आयोग की टीम सबसे पहले जामा मस्जिद इलाके में पहुंची। टीम ने मस्जिद के बाहर और अंदर की स्थिति का लगभग तीन मिनट तक जायजा लिया। एसपी कृष्ण विश्नोई ने टीम को बताया कि कोर्टगर्वी से शुरू हुआ विवाद धीरे-धीरे बवाल में बदल गया। मस्जिद के पास मौजूद भीड़ ने पथराव शुरू कर दिया, जिससे हालात बेकाबू हो गए।

एसपी ने बताया कि हिंसा के दौरान वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया और पुलिस टीम पर हमला किया गया। टीम ने मस्जिद के अंदर जाकर स्थिति को बारीकी से देखा। निरीक्षण के दौरान टीम ने हिंसा के मुख्य स्थानों की पहचान की और अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में आयोग ने स्थानीय दुकानदारों और निवासियों से बातचीत की।

दुकानदारों ने बताया कि पथराव के दौरान उन्होंने अपनी दुकानें बंद कर दी थीं और वहां से चले गए थे। टीम ने हिंसा के दिन की घटनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। जामा मस्जिद के निरीक्षण के बाद आयोग की टीम नखासा चौराहा पहुंची। यहां हिंसा और पथराव की वारदात हुई थी।

टीम ने वहां की स्थिति का भी बारीकी से अध्ययन किया और अधिकारियों से बातचीत की। आयोग की टीम ने डीएम, एसपी और अन्य अधिकारियों से पूरी घटना की विस्तृत जानकारी ली। एसपी ने आयोग को बताया कि हिंसा वाले दिन किन घरों से पथराव हुआ और कैसे प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। न्यायिक आयोग को दो महीने के भीतर अपनी जांच रिपोर्ट सौंपनी है।

इससे पहले शनिवार को आयोग के सदस्य मुरादाबाद सर्किट हाउस पहुंचे, जहां मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह, डीआईजी मुनिराज जी और एसएसपी सतपाल अंतिल ने उनसे मुलाकात कर घटना की जानकारी दी। रविवार को टीम ने शाही जामा मस्जिद और आसपास के हिंसाग्रस्त इलाकों का निरीक्षण किया। इस घटना ने राजनीतिक हलकों में भी हलचल मचा दी है। कांग्रेस, सपा और अन्य विपक्षी दलों ने इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया। संसद में भी इस घटना को लेकर हंगामा हुआ।

अमर भास्कर

आवश्यकता है-

अमर भास्कर

(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र एवं न्यूज चैनल)

को पूरे देश में प्रदेश स्तर, मण्डल स्तर
जिला स्तर, तहसील स्तर, ब्लॉक एवं थाना स्तर पर
अनुभवी एवं शिक्षित संवाददाता एवं विज्ञापन प्रभारियों की।

संपर्क करें:-
मोबा. 9411214614, 9058143211, 7599339198

ऑफिस:-
निकट होटल रिजेन्सी, लावेला चौक, बदायूँ (उ.प्र.)- 243601

www.amarbhashkar.com
Email- amarbhashkar21@gmail.com

नशा मुक्ति अभियान का किया आयोजन

अमर भास्कर, ब्यूरो।

फिरोजाबाद। मोमिन नगर थाना रसूलपुर क्षेत्र फिरोजाबाद में भारत की नशा मुक्ति अभियान योजना के तहत एक कार्यक्रम उलेमा हजरत व पुलिस प्रशासन के साथ एक विशाल मीटिंग करके क्षेत्र के लोगों को जागरुक करते हुए कहा के नशे के खिलाफ एकजुट होकर हम सब मिलकर दानव रूपी नशे का खात्मा करेंगे।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, सीओ सिटी अरुण कुमार चौरसिया, रामगढ़ थाना प्रभारी संजीव दुबे, रसूलपुर क्राइम इंस्पेक्टर हारून खान, के साथ खास बात यह रही के सभी धर्म के धर्म गुरु शिक्षाविद, व्यापार मंडल सामाजिक जिम्मेदार इस कार्यक्रम में मौजूद रहे, सिख धर्म गुरु हेड गुरुद्वारा ज्ञानी करनैल सिंह, व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष रविंद्र लाल तिवारी, शिक्षाविद् डॉ,मयंक भटनागर, मुस्लिम धर्मगुरु मौलाना तनवीर उल कादरी, हाफिज रफीउद्दीन, हाफिज अरशद रजवी, हिकमत उल्ला खान, मौजूद रहे, कार्यक्रम में आए हुए सभी मेहमानों ने नशे के खिलाफ बारीकी से समझाया ग्रामीण पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया ने कहा के दानव रूपी नशा जो हमारे समाज में पैर पसार रहा है और उनके भविष्य को खराब कर रहा है जिससे परिवार के परिवार नष्ट हो रहे हैं सिगरेट चरस स्मैक इंजेक्शन शराब या गोली का नशा करने से आर्थिक शरीर से कमजोर होते हैं अंत में नशा इंसान की जान लेकर ही रहता है।

इसलिए लिए हम सब मिलकर नशे के खिलाफ एकजुट होकर अपने-अपने मोहल्ले क्षेत्र गली में अपने नौजवानों और बच्चों को जागरूक करें। सीओ सिटी अरुण कुमार चौरसिया ने कहा के हमारे समाज में नशा हमारे नौजवान और बच्चों के भविष्य भविष्य और स्वास्थ्य खिलवाड़ हो रहा है।

नशे से दूर रहे, सिख धर्म गुरु ज्ञानी करनैल सिंह ने कहा के वाहेगुरु, ईश्वर,अल्लाह ने हर तरह के नशे के लिए मना करा है क्योंकि नशा शरीर के साथ-साथ पूरे परिवार को नष्ट कर देता है, व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष रविंद्र लाल तिवारी ने कहा कि हमारा मजदूर भाई दिन भर आग में जलकर मेहनत करके मजदूरी लेकर जब वापस आता है तो वह उसे पैसे से शराब या कोई भी नशा करता है तो अपने परिवार को बर्बाद कर देता है, शिक्षा की डॉक्टर मयंक भटनागर ने कहा कि आजकल के बच्चे नौजवान नशे के आदि होते जा रहे हैं बच्चे अपने बसंतों में सिगरेट और नशे के समान स्कूल में भी रखकर लाने लगे हैं।

आरोपी के खिलाफ दर्ज हुआ मुकदमा

शिकोहाबाद। नेशनल हाईवे पर प्रोफेसर कॉलोनी के पास एक कार चालक को रोककर दूसरे कार सवार ने शराब के नशे में चूर मारपीट कर घायल कर दिया। आरोपी ने पीड़ित की कार को भी ईंट मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। पीड़ित कार स्वामी ने आरोपी के खिलाफथाना में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जसराना क्षेत्र के नगला बरी झपारा निवासी मनोज सिकेरा 29 नवंबर की रात आठ बजे अपनी कार से घर जा रहा था। जब वह प्रोफेसर कॉलोनी के पास पहुंचा ही था तो आरोप है कि तभी पीछे से आते हुए एक कार सवार युवक ने पीड़ित की कार के आगे अपनी कार लाकर खड़ी कर कार सवार सिंटू निवासी गांव नसूपुर संजैती थाना जसराना ने शराब के नशे में चूर होकर गाली गलौज कर ईट से कार को क्षतिग्रस्त कर दिया। सिर पर कड़ा मारकर सिर फाड़ दिया।

चार को होगी मानवाधिकार रक्षा मंच की बैठक

अमर भास्कर, ब्यूरो।

शिकोहाबाद। मानवाधिकार रक्षा मंच चंद्रनगर महानगर द्वारा बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के ऊपर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध एक सुभाष तिराहा के पास एक बैठक की। बैठक में 4 दिसंबर बुधवार को फिरोजाबाद के गांधी पार्क मैदान में होने वाली जनसभा को लेकर रणनीति बनाई तैयार बनाई।

सभी लोगों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचने का आव्हान किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि आज बांग्लादेश में मुस्लिम कट्टरपंथियों द्वारा चुन चुनकर अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं। हिंदू समुदाय के घरों, मंदिरों को आग लगाई जा रही है। उनकी दुकानों को लूटा जा रहा है। बहन बेटियों से बलात्कार किया जा रहा है। ऐसे में अल्पसंख्यक वर्ग देश छोड़ने को विवश हो रहा है। वहां के साधु संत, बौद्ध भिक्षु, धार्मिक गुरुओ के साथ अनैतिक कार्य किया जा रहे हैं। जो संपूर्ण विश्व को रसातल की ओर ले जाने का कार्य कर रहे हैं। पिछले दिनों मुस्लिम भीड़ द्वारा हिंदू त्रिपुरी समुदायों पर हमला किया गया था। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान की बांग्लादेश सरकार एवं एजेंसी इसे रोकने की जगह केवल मूक दर्शक बनी हुई है, जो कि गलत है।

हिंदू समुदाय पर अत्याचार की घटनाओं को लेकर 4 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय न्यायिक मानवाधिकार मंच द्वारा गांधी पार्क मैदान फिरोजाबाद में दोपहर 12 बजे से जनसभा की जा रही है। जिसमें अल्पसंख्यकों के ऊपर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध न्यायसंगत कदम उठाने की माँग की जायेगी। बैठक में संदीप कुमार आरएसएस जिला प्रचारक, प्रमोद विभाग प्रचारक, योगेन्द्र कुमार, विभाग सम्पर्क प्रमुख, नारायण हरि आरएसएस के जिला संघचालक, गुरुदत्त नगर कार्यवाह आरएसएस, आदित्य नारायण जिला कार्यवाह, सतीश यादव, बृजेश चौहान, डा रामकैलाश यादव, पूर्व चौयरमैन अवनीश गुप्ता, विष्णू सक्सेना, रुचि चतुर्वेदी, डॉ. स्नेहलता, डा सुशील मिश्रा, डा. सहदेव सिंह आदि मौजूद रहे।

दुपहिया वाहन चालकों को बांटे हैलमेट

अमर भास्कर, ब्यूरो।

शिकोहाबाद। नगर के सुभाष तिराहा पर भारतीय मजदूर संघ द्वारा दुपहिया वाहन चालकों को जागरूक करने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसपी ग्रामीण अखिलेश भदौरिया, सीओ प्रवीण तिवारी, श्रम परिवर्तन अधिकारी विवेक त्रिवेदी ने सयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के जिलाध्यक्ष राजीव यादव ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर दिलीप यादव ने किया। मुख्य वक्ता रमाकांत यादव ने कहा संघ 23 जुलाई 1955 को दत्तोपंत ठेंगड़ी ने सन 1955 में भारतीय मजदूर संघ की स्थापना की थी। दत्तोपंत ठेंगड़ी का जीवन प्रचारक का था। जब वह मजदूर संघ में आए तो मजदूर संघ का कोई अनुभव नहीं था। मजदूर संघ में जाकर काम करते हुऐ बहुत संघर्षो से काम करते हुए आज भारतीय मजदूर संघ दुनियां में सबसे अधिक सदस्यों वाला संघ है। यह राष्ट्रवादी संगठन है।

राष्ट्रहित, उद्योगहित, श्रमिक हित की विचारधारा पर काम करने वाला संघठन है। इस अवसर पर अतिथियों ने यातायात के नियमो का पालन करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया। जिसके तहत दुपहिया वाहन चालकों को हैलमेट प्रदान किए। दुपहिया वाहन चालको से कहा कि जब भी घर से निकले तो हेलमेट लगाकर ही चलें। जब भी हादसे होते हैं ऐसे में हेलमेट सिर को सुरक्षा देता है जिससे जान जाने का खतरा कम होता है। इस दौरान कार्यक्रम में जिला संयोजक अतुल कुमार, अनूपव्रत यादव, कमल सिंह, प्रशांत कुमार, डॉ अरुण कुमार, नरेंद्र कुमार, किरण राठौर, राधा संखवार सोनू दुबे, पवन यादव आदि लोग मौजूद थे।

वरिष्ठ सहायक के सेवानिवृत होने पर दी गई विदाई

अमर भास्कर, ब्यूरो।

अलीगढ़। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में वरिष्ठ सहायक पद पर कार्यरत दीपक शर्मा के सेवानिवृत होने पर कार्यालय में कार्यरत अधिकरियों व कर्मचारियों ने फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। दीपक शर्मा को खण्ड शिक्षाधिकारी नगर सतीश चन्द्र शर्मा एवं वित्त एवं लेखाधिकारी निखलेश राजन ने पेंशन का पीपीओं आदेश देकर सम्मानित किया और उनके कार्यकाल की सराहना की और फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान मौजूद कमचारियों ने भी उनके कार्यो की सराहना की और मार्ग दर्शन देने की अपेक्षा भी की।बिदाई का समारोह का संचालन डीसी ज्ञानेन्द्र गौतम ने किया। इस दौरान नितिन कुमार जैन, आविंद कुमार, कविता शर्मा, कुगकुम सिंह, विष्णु कुमार, वीरेन्द्र, कौशलेन्द्र, प्रीतम, नरेश, योगेश और उनके परिजन आदि मौजूद थे।

वार्षिकोत्सव में बच्चों ने पेश किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

अमर भास्कर, ब्यूरो।

शिकोहाबाद। यंग स्कॉलर्स एकेडमी के सभागार में संस्थान के संस्थापक स्व. डॉ. अजय कुमार आहूजा के जन्मदिन के अवसर पर विद्यालय में वार्षिक उत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ वर्ष 2024 में हाईस्कूल, इंटरमीडिएट के मेधावियों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि एडीजे फिरोजाबाद अवधेश कुमार सिंह, विशिष्ट अतिथि पालिका की अध्यक्षा रानी गुप्ता, समाजसेवी राजीव गुप्ता संयोजक, रोटी बैंक संस्था, प्रार्थना सिंह थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों व विशिष्ट अतिथियों ने सयुक्त रूप से मां शारदे के समक्ष दीप प्रज्वलन, पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक डॉ. संजीव आहूजा, ईशा आहूजा, डॉ. शिवा गुप्ता, डॉ. निशांत गुप्ता ने प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। नन्हे मुन्ने बच्चों ने चंदू नाचे, चंदा नाचे, ओम शांति ओम, देवा ओ देवा आदि पर नृत्य प्रस्तुत किए। बच्चों ने बालश्रम, दहेज प्रथा, यौन उत्पीड़न जैसी कुरीतियों को दर्शाते हुए नाटक प्रस्तुत किए गए।

बच्चों ने श्री राम के जीवन पर नाटिका पेश कर सभी को राम जी के जीवन पर प्रकाश डाला। मेधावी छात्र छात्राओं, विभिन्न स्तर पर विजेता खिलाड़ियों को भी ज्ञान ज्योति अवॉर्ड से सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अपर जिला जज अवधेश कुमार सिंह ने कहा कि सभी अभिभावकों को अपने बच्चों को मोबाइल से दूर रखना चाहिए। मोबाइल बच्चों के जीवन पर दुष्प्रभाव के बारे में विस्तार से बताया।

विशिष्ट अतिथि राजीव गुप्ता ने कहा कि स्व. आहूजा एक महान चिकित्सक, समाजसेवी और अच्छे शिक्षाविद् होने के साथ साथ गरीबों के मसीहा थे। उन्होंने कहा कि हमें उनके आदर्शों पर चलना चाहिए। संचालन सीमा मिश्रा और सोनिया श्रोतिय ने किया। इस मौके पर निदेशक अरुणा आहूजा, डॉ. राम अवतार बत्रा, डॉ. श्रीराम आर्या, डॉ. अजब सिंह, दीपक ओहरी, अत्रेई पालीवाल, नवीन मिश्रा आदि मौजूद रहे।

मीटर रीडर्स को बिल आगणन के लिए किया प्रशिक्षित

अमर भास्कर, ब्यूरो।

अलीगढ़। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजनान्तर्गत घरेलू उपभोक्ताओं के यहां स्थापित ऑन ग्रिड सोलर प्लांट के नेट मीटर से ग्रिड को निर्यात विद्युत यूनिट का लाभ संयंत्र स्थापित होने के साथ ही उपभोक्ताओं को प्राप्त हो, इस विषय पर रविवार को विकास भवन स्थित गाँधी सभागार में समस्त मीटर रीडर्स के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मीटर रीडर प्रशिक्षण कार्यशाला में अरुण कुमार शर्मा, परियोजना प्रभारी, यूपीनेडा द्वारा योजना की विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। दक्षिणान्चल विद्युत वितरण निगम से पंकज तिवारी, अधिशासी अभियन्ता प्रथम, राहुल बाबू अधिशासी अभियन्ता द्वितीय, वीरभद्र सत्यार्थी अधिशासी अभियन्ता चतुर्थ, सहायक अभियंता मीटर शैली कुशवाहा द्वारा जिले के सभी मीटर रीडर्स को उक्त योजना के अन्तर्गत उपभोक्ताओं के यहाँ स्थापित संयंत्रों के सही बिल आगणन के लिए प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम का संचालन यूपीनेडा विभाग द्वारा किया गया। कार्यशाला में जनपद में स्थापित हो रहे विद्युत मीटरों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे, जिनके द्वारा मीटर रीडरों को समस्त आवश्यक जानकारी उपलब्ध करायी गयीं। परियोजना प्रभारी यूपी नेडा ने बताया कि योजना के तहत प्रति किलोवाट अनुमानित लागत 65,000 रूपये की दर से भुगतान लाभार्थी द्वारा संबंधित वैण्डर को किया जाता है। ०1 किलोवाट के संयंत्र पर भारत प्रदेश सरकार द्वारा 15,000 रूपये, ०2 किलोवाट संयंत्र पर भारत सरकार द्वारा 60,000 रूपये उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 30,000 रूपये एवं ०3 किलोवाट या उससे अधिक क्षमता के संयंत्र की स्थापना उपरान्त भारत सरकार द्वारा 78,000 एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सरकार द्वारा 30,000 रुपए की अधिकतम सब्सिडी सीधे लाभार्थी के खाते में भेजी जाती है। परियोजना प्रभारी, यूपीनेडा अरुण कुमार शर्मा ने बताया कि भारत सरकार द्वारा पीएम सूर्य घर योजना संचालित की जा रही है, जिसमें जिले में 75000 निजी घरेलू आवासों पर वित्तीय वर्ष 2024-25 में ऑन ग्रिड सोलर पावर प्लांट की स्थापना कराये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

सपा मुखिया का स्वागत करने पहुंचे कार्यकर्ता

अलीगढ। अखिलेश यादव देर से अलीगढ़ एयरपोर्ट पहुंचे, जहां पर सपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मी धनगर आदि ने स्वागत किया। अखिलेश यादव सपा के पूर्व विधायक जफर आलम के आवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने जफर आलम और उनके परिवार से कुशलक्षेम पूछी। खैर उपचुनाव में जनसभा को संबोधित करने के बाद 15 दिन के अंदर सपा प्रमुख अखिलेश यादव दोबारा अलीगढ़ आए हैं। यहां वह सपा के वरिष्ठ नेता मुजाहिद किदवई के एएमयू सर्किल स्थित बरगद हाउस पर पहुंच कर उनके बेटे आरिज और बहू सबा को आशीर्वाद देंगे। वह पूर्व विधायक जफर आलम और जमीर उल्लाह खां के हाथी डूबा स्थित आवास पर जाकर मुलाकात की। उसके बाद अखिलेश यादव सैफई के लिए रवाना हो गए।

शिक्षकों ने एड्स दिवस पर छात्रों को किया गया जागरूक

अमर भास्कर, ब्यूरो।

शिकोहाबाद। रविवार को एके कॉलेज में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. संजीव कुमार यादव व विमल कुमार के मार्गदर्शन में एड्स रोग व रोकथाम उपाय विषय पर संगोष्ठी, निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर दीदार सिंह यादव ने बच्चों को एचआईवी रोग के कारण इसके रोकथाम के उपाय के बारे में जानकारी दी। शारीरिक शिक्षा के विभागाध्यक्ष प्रो जगदीश यादव ने बताया कि जो लोग रोग से ग्रासित हो जाते हैं उनको नियमित व्यायाम, सन्तुलित आहार, ध्यान, प्राणायाम आदि को अपने जीवन का भाग बनाकर तथा चिकित्सक के परामर्श से उचित दवा का सेवन करना चाहिए। इस अवसर पर अन्य शिक्षको ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस मौके पर डॉ. अनिल कुमार गुप्ता, डॉ. गीता यादव, डॉ. वीर बहादुर, डॉ. अनिल बघेल, डॉ. देवेश यादव के अलावा हरेंद्र यादव, उमेश, दिलीप, सरिता, अंजलि, प्रियांशी, ऋतु, काजल, हर्षित, अर्पित, आशीष, देवांश आदि उपस्थित रहे। अंत में डॉ. संजीव यादव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा शुरू

अमर भास्कर, ब्यूरो।

अलीगढ़। तहसील इगलास के गांव चंदफरी में रविवार को श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन से पूर्व भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कथा का आयोजन मां लीलावती ट्रस्ट के तत्वावधान में किया जा रहा है। शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्णपाल सिंह लाला ने झंडी दिखाकर किया। गांव के प्रमुख मार्गों से निकाली गई यात्रा में भक्तों ने श्रद्धा पूर्वक भाग लिया।

महिला श्रद्धालु प्रीत वस्त्र धारण किए सिर पर कलश लिए प्रमुख सड़कों से गुजरीं। भक्ति धुनों पर श्रद्धालु झूमते व नृत्य करते हुए चल रहे थे। पुन: कथा स्थल पर पहुंची यात्रा को विश्राम दिया गया। यात्रा में शामिल होकर बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी धार्मिक आस्था को प्रदर्शित किया। आचार्यों ने वेद मंत्र उच्चारण के साथ प्रथम आराध्य श्री गणेश के साथ भागवत पूजन कराया। प्रथम दिवस की कथा का बखान करते हुए बाल व्यास युगल जोड़ी बृजकिशोर महाराज व दीदी वृंदा किशोरी ने श्रद्धा, भक्ति और त्याग के महत्व को समझाते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत कथा का उद्देश्य न केवल धार्मिकता को बढ़ावा देना है, बल्कि समाज में एकता, भाईचारे और प्रेम का संदेश फैलाना भी है। कथा प्रमुख रूप से भगवान श्री कृष्ण की लीलाएं और उनके जीवन के अनमोल मूल्य और भक्ति का महत्व बताया गया है। मुख्य यजमान मनोज शर्मा व छाया शर्मा रहे। इस अवसर पर प्रमुख व्यवस्थापक सोनू शर्मा, मुनेश शर्मा, विनोद शर्मा, मुनेश शर्मा, सुनील शर्मा, सचिन पाठक, अनिल पचौरी आदि थे।

अवैध क्लीनिक संचालकों पर की गई कार्रवाई

अमर भास्कर, ब्यूरो।

अलीगढ़। ब्लॉक अकराबाद स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा शनिवार को अकराबाद क्षेत्र में अवैध तरह से क्लीनिक चलाते वाले डाक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की है। स्वास्थ्य विभाग के एसीएमओ डा दिनेश कुमार खत्री ने जानकारी देते हुए बताया है कि काफी दिनों से शिकायत मिल रही थी कि गोपी गांव में कई लोग अवैध रूप से क्लिनिक एवं लेव का संचालक कर रहे हैं। उसी शिकायत के आधार पर शनिवार को यह छापामार कार्रवाई की गई है। वहीं जांच टीम को देखते ही कुछ क्लिनिक संचालक अपनी दुकानें बंद कर भाग गए हैं। चार क्लिनिकों पर नोटिस चस्पा किए गए हैं। उक्त क्लीनिकों की जांच पड़ताल कर कार्रवाई की जाएगी।

व्यावसायिक वाहनों का एकमुश्त टैक्स जमा करने पर जुर्माना होगा माफः डीएम

अमर भास्कर, ब्यूरो।

अलीगढ़। जिलाधिकारी विशाख जी० ने व्यावसायिक वाहन स्वामियों को जानकारी देते हुए बताया है कि व्यावसायिक वाहनों का ०5 फरवरी 2025 तक बकाया टैक्स अदा करने पर परिवहन विभाग के माध्यम से जुर्माने में 100 प्रतिशत छूट प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि इसके लिए वाहन संचालक निर्धारित अवधि में बकाया टैक्स जमा कर दें जिससे जुर्माना माफ किया जा सके। डीएम विशाख जी० ने बताया है कि परिवहन विभाग द्वारा व्यावसायिक वाहन स्वामियों के लिए एकमुश्त समाधान योजना लागू की गई है, टैक्स बकाया वाले वाहन स्वामियों को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि ०6 नवंबर से तीन माह के भीतर बकाया टैक्स जमा करने वाले वाहन स्वामी जुर्माने में 100 प्रतिशत छूट प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ प्राप्त करने के लिये तिपहिया एवं हल्के वाहनों (7500 किलोग्राम तक) के लिये निर्धारित आवेदन शुल्क 200 रूपये एवं भारी वाहनों के लिये 500 रूपये प्रार्थना पत्र के साथ जमा करना होगा। उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ वित्तपोषक भी ले सकते हैं, जिनके द्वारा वाहन अपने कब्जे में ले लिया गया है। जिन वाहन स्वामियों को ०6 नवंबर 2024 से पूर्व वसूली पत्र प्रेषित हो चुके हैं, वह भी इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। जिलाधिकारी ने अपात्रता की स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि यदि किसी वाहन के कर के प्रति मा० न्यायालय में वाद लम्बित है, तो वह इस योजना के लिये पात्र नहीं होंगे। यदि वाद वापस लिया जाता है तो आवदेक योजना के लिये पात्र हो सकेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अधिसूचना निर्गत तिथि ०6 नवंबर एवं उसके बाद पंजीकृत वाहन को इसका लाभ प्राप्त नहीं होगा।

सभी श्रेणी के अपंजीकृत वाहन जिन पर अधिसूचना जारी होने की तिथि ०6 नवंबर के पूर्व तक का कर देय हो चुका है एवं जमा न करने के कारण बकाया हो, को लाभ नहीं मिलेगा। उन्होंने जिले के सभी बकाया वाहन स्वामियों (जिनके वाहन ०6 नवंबर 2024 से पूर्व पंजीकृत हैं, और उन पर बकाया कर एवं पेनाल्टी शेष है) को सूचित किया है।

प्रान्त प्रचारक धर्मेन्द्र बोले बांग्लादेश में चरम पर पहुंचा अत्याचार

अमर भास्कर, ब्यूरो

बदायूं। मानवाधिकार संरक्षण मंच बदायूं के तत्वाधान में शिवदेवी सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज बदायूं में महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की गई।

जिसमें बांग्लादेश में हिन्दुओं और अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमले और अत्याचार के विरोध में ०4 दिसम्बर को बदायूं क्लब में प्रात: 11 बजे से विशाल जनसभा व धरना प्रदर्शन किया जायेगा।

प्रान्त प्रचारक धर्मेंद्र ने कहा बांग्लादेश में हिंदुओं, बौद्ध, ईसाई और अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों, घरों और प्रतिष्ठानों को लगातार तोड़ा जा रहा है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों और हिंदुओं पर जुल्म, अत्याचार, दुराचार, हमला किया जा रहा है। बांग्लादेश के चटगांव जिले में 30000 हिंदुओं ने एक बड़े चौराहे पर रैली निकालकर प्रदर्शन किया। बांग्लादेश के सबसे प्रमुख अल्पसंख्यक संगठन बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई यूनिटी काउंसलिंग ने वक्तव्य जारी करके कहा शेख हसीना की धर्मनिरपेक्ष सरकार के जाने के बाद हिंदुओं पर 2000 से अधिक आक्रमण हुए। उन्होंने कहा बांग्लादेशी कट्टरपंथियों के विरुद्ध है। ऐसी वैश्विक ताकतों के विरुद्ध हैं जो किसी विकासशील देश को विकसित होते

हुए नहीं देख सकती। बांग्लादेशी ऐसी शक्तियों के विरुद्ध है जो भारत को अशांत पड़ोसियों से घिरा हुआ देखना चाहती है।

विभाग प्रचारक विशाल ने कहा बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं के खिलाफ हो रहे हमलों पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हमले तुरंत बंद होने चाहिए। बांग्लादेश सरकार और अन्य संबंधित एजेंसियां इन हमलों को रोकने के बजाय मूकदर्शक बनी हुई हैं, जो कि बहुत चिंता का विषय है। उन्होंने कहा अगर यह स्थिति ऐसे ही जारी रही, तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने कहा बांग्लादेश सरकार इन हमलों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए और अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। मानवाधिकार संरक्षण मंच के संरक्षक प्रेमस्वरूप पाठक ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं, महिलाओं और अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर इस्लामी कट्टरपंथियों द्वारा किए गए हमलों, हत्याओं, लूटपाट, आगजनी और अमानवीय अत्याचार की घटनाएं अत्यंत चिंताजनक हैं और मानवाधिकार संरक्षण मंच इसकी निंदा करता है।

सार-संक्षेप

सभी खेल संघ यूपी की टीमों की संख्या में वृद्धि करें: शीराज

बदायूं। उत्तर प्रदेश खेल कल्याण संघ अध्यक्ष पूर्व रणजी क्रिकेटर मोहसिन रजा की पहल पर बदायूँ स्टेडियम मे चल रहे विजय गुप्ता मेमोरियल बीपीएल मे क्रिकेट खिलाडियों ने केंद्र व राज्य सरकार से उत्तर प्रदेश रणजी क्रिकेट की एक से अधिक टीम खिलाने की मांग का समर्थन किया। खेल कल्याण संघ के लीगल एडवाइजर एडवोकेट मोहम्मद शीराज आलम ने कहा मैं देश की सरकार से और प्रदेश की सरकार से मांग करता हूं कि सभी खेलों में उत्तर प्रदेश की सहभागिता आबादी के दृष्टिगत बढ़ाया जाने हेतु सभी खेल संघ उत्तर प्रदेश की टीमों की संख्या में वृद्धि करें ताकि अन्य राज्यों के खिलाड़ियों की तरह ही उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों को भी अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का समान अवसर प्राप्त हो सके। हमारी सरकार से मांग है कि जनपद स्तर पर माव मुख्यमंत्री खेल प्रतिस्पर्धा आयोजित की जाए जिससे सभी स्तर के खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिल सके।

बज्म-ए-आसी द्वारा शानदार महफिल सजाई गयी

बिसौली। नगर के साहू राम लखन कोल्ड स्टोरेज में बज्म - ए-आसी द्वारा एक शाम फहमी बदायूंनी के नाम एक शानदार महफिल शाम - ए - गजल के नाम से सजाई गई। जिसमें मकामी शोरा हजरात के अलावा मेहमान शोरा हजरात ने शिरकत कर अपने महबूब शायर फहमी बदायूंनी को खिराजे अकीदत पेश की। सुभाष अग्रवाल ने कहा शायरी के माध्यम से कवि बहुत बड़ी-बड़ी बातों को चंद शब्दों में पिरो देता है। उन्होंने कहा मुशायरा और कवि सम्मेलन हमारी संस्कृति का हिस्सा है। महफिल शुरुआत शमा रोशन कर की गई। डा.अमीरुद्दीन अमीर ने नाते पाक से महफिले मुशायरा का आगाज करते हुए फरमाया रसूल करता है जब सैर आसमानों की। तो चंद लम्हों में सदियां गुजार देता है।। दर्शकों की फरमाइश पर सोनरूपा विशाल ने बेहतरीन गजल सुनाई तुम्हारे लम्स की खुशबू थी जिसमें। मुझे वो पैरहन धोना नहीं था। महफिल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठी।। शायर विनीत आश्ना ने अपनी मशहूर गजल के शेर पढ़ते हुए कहा एक खुदा है एक सनम है ये क्या कम है। और दोनों का मुझपे करम है ये क्या कम है।। उस्ताद शायर खालिद नदीम बदायूंनी ने अपने अंदाज में कुछ यूं कहा हाल ए दिल अपना उन्हें हम जो सुनाने लग जाएं, दोनों हाथों से वो रुखसार छुपाने लग जाएं। महफिल की निजामत कर रहे श्रीदत्त शर्मा मुजतर ने अपनी बात यूं रखी नसीहत करने वाले घर को जाएं। अभी पीने पिलाने की घड़ी है।। शायर अभीक्ष पाठक आहत ने कहा मेरी आवारा मिजाजी को न समझेंगे कभी अपने किरदार के पैबंद छुपाने वाले।। मशकूर अहमद नज्मी ने कहा होशो खिरद जुनून सभी वे असर गए। हम प्यार की तलाश में हद से गुजर गए।। मशहूद खाँ हमदम ने कहा देर ओ हरम कलीसा खाली पड़े हुए हैं।

उसकी गली में देखो मजमा लगा हुआ है।। फरीद इदरीसी ने अपने अंदाज में बयां किया सौ बार पढ़ चुका हूं मगर फिर भी आज तक। एक लफ्ज उसके खत का उलझन बना हुआ है।। शायर आतिश शाहबादी ने फहमी साहब को खिराजे अकीदत पेश करते हुए कहा ए गमे फहमी खुदा रक्खे तुझे मेरे लिए। फिर फराहम कर दिए हैं आंसुओं के सिलसिले।। चिराग शर्मा चिराग ने आज के दौर पर कहा तुम्हें यह गम है कि चिट्ठियां नहीं आती।हमारी सोचो हमें हिचकियां नहीं आती।। महफिल का आलम यह था कि देर रात तक लोग फरमाइश करते रहे। महफिल में आए हुए सभी शायरों ने अपने कलाम पढ़कर फहमी बदायूंनी को खिराजे अक़ीदत पेश की। महफिल की सदारत उस्ताद शायर खालिद नदीम बदायूँनी ने व निजामत श्रीदत्त शर्मा मुजतर ने की। अंत में बज्म ए आसी के सरपरस्त एवं महफिल के आयोजक सुभाष अग्रवाल व हाजी एम. सगीर ने सभी का शुक्रिया अदा किया। इस मौक़े पर हरीश गुप्ता, नगर के उद्योगपति रवि प्रकाश अग्रवाल, एड.राजेश भारद्वाज, मुन्ने खां, जावेद खान, इलियास खान, काजी शाहनवाज खां, मीत शर्मा, मोंटी महाजन, सभासद कृष्णा गुप्ता, शब्बर खान, फहीम अहमद, माजिद अली, गुड्डू खान, आसिम खान, आदिल, मो. असद, कासिम, मो. कैफआदि मौजूद रहे।

विद्या ज्ञान प्रारंभिक प्रवेश परीक्षा का हुआ आयोजन

बिसौली। मदनलाल इंटर कॉलेज में विद्या ज्ञान प्रारंभिक प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें बिसौली, वजीरगंज, आसफपुर एवं इस्लामनगर विकास खण्ड के विभिन्न छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

प्रथम पाली का आयोजन प्रात: 10:30 बजे से अपराहन 12:30 बजे तक हुआ। जिसमें कुल 273 छात्राएं उपस्थित रहीं। वहीं अपराहन 2:30 बजे से 4:30 बजे तक चलने वाली द्वितीय पाली में कुल 280 छात्रों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। विद्यालय के प्रधानाचार्य

एवं केंद्र व्यवस्थापक डॉ.एन.पी. सिंह स्कूल के अध्यापकों सहित प्रात: 9:00 बजे परीक्षा केंद्र पर उपस्थित हो गए। उन्होंने परीक्षा की संपूर्ण व्यवस्था का निरीक्षण किया। डॉ० सिंह ने परीक्षा केंद्र के मुख्य द्वार पर परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्रों की जांच की। परीक्षा में कक्ष निरीक्षण के दायित्व का निर्वहन कर रहे सभी शिक्षकों सहित परीक्षा की व्यवस्था में लगे विद्यालय के अध्यापक रतीन्द्र कुमार, दयाराम, शशि भास्कर सिंह, रजनीश चौधरी एवं विजय पाल सिंह आदि मौजूद रहे।

जामा मस्जिद: असदुद्दीन ओवैसे के बाद बरेलवी उलमा ने उठाई आवाज

अमर भास्कर, ब्यूरो

बदायूं। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी ने बदायूं की जामा मस्जिद प्रकरण पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के बादशाह शमशुद्दीन अल्तमश ने 1223 ईसवीं में बदायूं में एक मस्जिद का निर्माण कराया, जो शम्सी जामा मस्जिद बदायूं के नाम से जानी जाती है।

मौलाना ने कहा कि बादशाह शमशुद्दीन सूफी विचारधारा के प्रबल प्रचारक थे। सूफी ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती अजमेरी, सूफी ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी से खास अकीदत रखते थे। वो जब बदायूं आए तो उन्होंने कुछ दिन यहां विश्राम किया। कोई मस्जिद न होने की वजह से उन्होंने इस मस्जिद का निर्माण कराया, जिसको आज सांप्रदायिक सोच रखने वालों की नजर लग गई है।

मौलाना बरेलवी ने कहा कि ब्रिटिश शासन काल के इतिहास 1856 में मस्जिद का उल्लेख मिलता है। उस दौर में इतिहास पर लिखी

जाने वाली अंग्रेजी, फारसी, उर्दू की तमाम किताबों में मस्जिद का उल्लेख किया गया है। बदायूं शहर वैसे भी बड़ा तारीखी शहर है और उसका अपना एक इतिहास है।

मौलाना बरेलवी ने आगे कहा कि देश को सांप्रदायिक सोच रखने वालो की नजर लग गई है। भारत गंगा जमुनी तहजीब और हिंदू मुस्लिम भाईचारे के लिए पूरी दुनिया में जाना पहचाना जाता है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन तमाम मामलात में हस्तक्षेप करें। पूरे देश में सर्वे के नाम पर सांप्रदायिक दंगे और तनाव फैलाया जा रहा है, इसको रोकने की जिम्मेदारी प्रधानमंत्री निभाएं।

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को अपने हैंडल पर एक पोस्ट करते हुए लिखा कि अब बदायूं की जामा मस्जिद को भी निशाना बनाया जा रहा है। अदालत में वर्ष 2022 में कैसे किया गया था और उसकी अगली सुनवाई तीन दिसंबर को होगी। उन्होंने लिखा है कि एएसआई जो भारत सरकार के तहत काम करती है, और उत्तर प्रदेश सरकार भी केस में पार्टी है। दोनों सरकारों को 1991 एक्ट के अनुसार अपनी बात रखनी होगी। हिंदुत्ववादी तंजीमें किसी भी हद तक जा सकती हैं।

छुट्टा पशुओं का आंतक, सांड ने ली किसान की जान

अमर भास्कर, संवाददाता

बदायूं। जिले के दातागंज में शनिवार देर शांम को खेत से लौट रहे किसान पर सांड़ ने हमला कर दिया। सूचना पर पहुंचे परिजन घायल किसान को सीएचसी ले गए, जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजन उनको मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां रात करीब दो बजे उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

थाना क्षेत्र के गांव रोहारी निवासी रामनिवास (52) शनिवार रात करीब 8रू०० बजे गांव से लगभग आधा किलोमीटर दूर अपने खेत से घर लौट रहे थे। जैसे ही वह घर के पास पहुंचे, तभी अचानक सांड़ ने हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर घायल हो गए। आसपास लोगों ने जैसे तैसे बचाया। परिजनों ने उनको मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। शनिवार रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। रविवार को थाना पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

एक नवंबर को थाना सिविल लाइन क्षेत्र के गांव अन्नी निवासी रघुवीर शर्मा (55) को जंगल में भैंस चराते समय सांड़ ने उठाकर पटक दिया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी।

16 नवंबर को कादरचौक क्षेत्र के गांव पालका नगला के रहने वाले जयराम (55 वर्ष) की सांड़ ने जान ले ली थी।

1० अक्तूबर को थाना उसावां क्षेत्र के नवीगंज गांव के रहने वाले राजकुमार सिंह (7०) की मौत होने के साथ अन्य घटनाएं घटित हुई है।

वजीरगंज में खेल मैदान पर बना दी दुकान और मकान

अमर भास्कर, संवाददाता

बदायूं। वजीरगंज में स्थित खेल मैदान की नौ सदस्यीय टीम ने पैमाइश की। टीम को खेल मैदान की जमीन पर अतिक्रमण मिला। टीम ने अपनी रिपोर्ट देर शाम को एसडीएम को सौंपी है।

वजीरगंज में हाईवे के पास स्थित खेल मैदान पर काफी समय से रामलीला का आयोजन होता आ रहा है। इस जमीन पर एक व्यक्ति ने 2022 में अवैध कब्जा किया। इसके बाद में जमीन पर दुकानों का निर्माण कराकर बेच दिया गया। आरोप है कि इस जमीन पर अब 22 दुकानों के अलावा अन्य लोगों ने अपने मकान बना लिए हैं। साथ ही वहां पर रहना शुरू कर दिया है। बीच में यह मामला शांत हो गया था।

अब मामला कोर्ट में आने के बाद में फिर से तूल पकड़ने लगा है। कोर्ट ने 28 नवंबर को इस मामले से जुड़े अभिलेख तलब किए थे। एसडीएम की ओर से गठित नौ सदस्यीय टीम में दो नायब तहसीलदार, दो कानूनगो, पांच लेखपाल शामिल किए गए। शनिवार को इस मामले में खेल मैदान पहुंचकर टीम ने जांच की। जांच टीम में शामिल सदस्य ने बताया कि यहां पर काफी अतिक्रमण मिला है। कई दुकान और मकान खेल मैदान की जमीन पर बने मिले हैं। अपनी संपूर्ण रिपोर्ट अब उप जिलाधिकारी राशि कृष्णा को सौंपी है।

वहीं तहसील प्रशासन की ओर से रामलीला कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राहुल वार्ष्णेय को जांच के दौरान उपस्थित रहने की बात कही थी। टीम आने के साथ ही राहुल वार्ष्णेय भी खेल मैदान पर पहुंच गए। जांच के दौरान पूरे समय वह टीम के साथ मौजूद रहे। नायब तहसीलदार सृजन यादव ने बताया कि मौके पर खेल मैदान की जमीन पर अतिक्रमण मिला है। इसमें दुकान और मकान शामिल है।

मामूली कहासुनी पर मासूम के ऊपर डाला खौलता हुआ तेल

अमर भास्कर, संवाददाता

उचैती। मामूली कहासुनी के चलते मासूम के ऊपर खोलता हुआ पानी डाल दिया। जिससे मासूम बच्ची बुरी तरीके से झुलस गई।

मामले की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल बच्ची को इलाज के लिए रुदायन सीएचसी में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रैफर कर दिया। पूरा मामला थाना क्षेत्र के करियामाई गांव का हैं। जहां गांव निवासी उमेश के घर पर शादी समारोह का आयोजन था। जिसमें गांव के ही दो हलवाई छत्रपाल व ईश्वरी को बारात के खाने बनाने के काम पर बुलाया गया था।परिवार के ही राकेश पुत्र बद्रीप्रसाद की हलवाइयों से खाने बनाने को लेकर किसी बात पर कहासुनी हो गई।कहासूनी के चलते हलवाई

छत्रपाल व ईश्वरी ने राकेश के ऊपर खोलता हुआ गर्म पानी फेंक दिया। गर्म पानी के हमले में राकेश बाल बाल बच गया, लेकिन वहीं नजदीक में राकेश की धेवती संध्या (5) गर्म पानी की चपेट में आ गई।अचानक गिरे गर्म पानी से मासूम बच्ची बुरी तरह झुलस गई। आनन फानन में परिजनों ने मासूम को सीएचसी रुदायन में भर्ती कराया।जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रैफर कर दिया।

घटना की जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंच गई।इस सम्बंध में थानाध्यक्ष राजेश कौशिक ने बताया मामले की तहरीर मिली है। जांच कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

पुल हादसा: गूगल मैप पर दिखाया गया था मौत का रास्ता

बदायूं पुलिस ने गूगल को जारी किया नोटिस

अमर भास्कर, ब्यूरो

बदायूं। बरेली जिले की सीमा से सटे बदायूं के दातागंज क्षेत्र में रामगंगा नदी पर बने अधूरे पुल के कारण हादसे के छह दिन बाद गूगल को नोटिस भेजा गया है। बदायूं पुलिस ने यह नोटिस भेजा है। इसमें गूगल के क्षेत्रीय अधिकारी का नाम पूछा गया है। साथ ही यह भी पूछा गया है कि जब पुल अधूरा था तो गूगल मैप पर रास्ता सही क्यों दिखाया गया। पुलिस का कहना है कि नोटिस का जवाब मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

दातागंज से बरेली के फरीदपुर जाने वाले मार्ग पर मुड़ा गांव के पास में पुल बना हुआ है, जोकि

अधूरा है। 24 नवंबर को कार सवार तीन लोग हादसे का शिकार हो गए थे। वह गूगल मैप के सहारे आगे चलते चले गए और पुल खत्म होते ही उनकी कार 20 फुट नीचे जा गिरी, जिससे तीनों लोगों की मौत हो गई थी।

अधूरे पुल से कार गिरने के मामले में प्रशासन गूगल को भी दोषी माना है। इसके बाद अब गूगल मैप से इस रास्ते को हटा दिया गया है। इस मामले में दातागंज के नायब तहसीलदार छविराम ने सहायक अभियंता मोहम्मद आरिफ व अभिषेक कुमार, अवर अभियंता अजय गंगवार और महाराज सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। तहरीर में मैप पर गलत रास्ता दिखाने के लिए गूगल के क्षेत्रीय प्रबंधक के खिलाफभी शिकायत की गई है। हालांकि, पुलिस ने मुकदमे में गूगल या उसके किसी अधिकारी को नामजद नहीं किया है। विवेचना में कुछ नाम बढ़ाए जा सकते हैं। हादसे के छह दिन बाद पुलिस ने गूगल को नोटिस जारी किया है।

दातागंज कोतवाली के इंस्पेक्टर गौरव बिश्नोई ने बताया कि गूगल को नोटिस जारी किया गया है। पूछा गया है कि गूगल मैप के क्षेत्रीय अधिकारी का नाम बताए। जब रास्ता नहीं था तो मैप पर यह रास्ता क्यों दर्शाया गया था। नोटिस का जवाब मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

सितंबर 2023 में बाढ़ आने पर फरीदपुर की ओर पुल का एप्रोच मार्ग बह गया था, तभी से इस पुल पर आवागमन बंद है। लोक निर्माण विभाग की ओर से वहां पर दीवार लगा दी गई थी। लेकिन, कुछ लोगों ने उस दीवार को तोड़ दिया था।

गूगल मैप पर इस रास्ते को सही दिखाया जा रहा था। इसकी वजह से बीती रविवार तड़के कार सवार तीन लोग हादसे का शिकार हो गए। हादसे के बाद पुल पर आवागमन रोकने के लिए चार जगह बैरिकेडिंग कराई गई है।

संपादकीय

जलवायु वित्त पर असहमति

अजरबैजान की राजधानी बाकू में आयोजित कान्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (कॉप29) की 29वीं बैठक एक ऐसी जलवायु वित्त बैठक के रूप में आयोजित हुई जहां ऐतिहासिक रूप से अधिक उत्सर्जन करने वाले विकसित देश विकासशील देशों के जलवायु अनुकूलन और उत्सर्जन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए 2०25 के आगे की नई वित्तीय प्रतिबद्धता तय करने वाले थे। परंतु तीव्र बहस के उपरांत रविवार को जब तय अवधि के दो दिन बाद जब यह बैठक समाप्त हुई तब वह एक ऐसे वित्तीय समझौते पर पहुंची, जिसका भारत, नाइजीरिया, बोलिविया और क्यूबा ने घोर विरोध किया।

इसके अलावा जितनी राशि की प्रतिबद्धता जताई गई उसके विरोध में छोटे द्वीपीय देशों के समूह तथा जलवायु संकट झेल रहे अन्य देशों ने आयोजन का बहिष्कार भी किया। हालांकि नए समग्र मात्रात्मक लक्ष्य (एनसीक्यूजी) के अंतर्गत 2०35 तक सालाना 3०० अरब डॉलर की प्रतिबद्धता जताई गई है जो पहले जताई गई सालाना 1०० अरब डॉलर की प्रतिबद्धता से काफी अधिक है। लेकिन यह विकासशील देशों की 1.3 लाख करोड़ डॉलर की मांग से काफी कम है।

इस तमाम असंतोष के बीच वार्ताकारों ने संकेत दिया है कि समझौता चाहे जितना भी अपूर्ण हो, परंतु नहीं होने से तो वह बेहतर ही होता है। महज दो माह पहले कॉप29 के पहले बाकू में वार्ताकारों की बैठक में सदस्य देश एनसीक्यूजी के अधीन किसी वित्तीय प्रतिबद्धता पर नहीं पहुंच पाए थे। परंतु जलवायु की दृष्टि से संवेदनशील देशों के पास इस बात की अच्छी-खासी वजह है कि वे बाकू में हुए समझौते को लेकर मजबूत पूर्वग्रह रखें।

अगर मौजूदा रुझानों को मानक माना जाए तो 3०० अरब डॉलर की अपर्याप्त राशि जुटा पाना भी मुश्किल नजर आ रहा है। पहले जलवायु वित्त लक्ष्य के लिए 1०० अरब डॉलर की राशि तय की गई थी। इस राशि पर कोपनहेगन में 2००9 में आयोजित कॉप 15 में सहमति बनी थी। इस लक्ष्य को 2०22 में यानी केवल एक बार हासिल किया जा सका था वह भी लक्षित वर्ष के दो साल बाद। दूसरी बात यह कि अधिक वित्तीय सहायता की मांग भी अस्पष्ट हैं। उदाहरण के लिए कॉप 29 में बाकू से बेलेम खाके पर सहमति बनी। ब्राजील के बेलेम शहर में अगले वर्ष कॉप3० का आयोजन होना है। वहां सभी पक्ष साथ मिलकर 'सभी सार्वजनिक और निजी स्रोतों' का इस्तेमाल करके 2०35 तक सालाना 1.3 लाख करोड़ डॉलर के लक्ष्य को हासिल करने का प्रयास करेंगे।

योजना यह है कि 2०3० तक इस निर्णय पर नजर रखी जाए। इस बीच 2०26 और 2०27 में रिपोर्ट आएंगी। आखिर में समझौता विकासशील देशों से आग्रह करता है कि वे इस लक्ष्य को पाने के लिए स्वैच्छिक रूप से सहयोग करें। यह वैश्विक समृद्ध देशों यानी ग्लोबल नॉर्थ के दायित्वों में महत्त्वपूर्ण कमी करने वाली बात है। एक सकारात्मक बात यह है कि करीब एक दशक की बातचीत के बाद कॉप 29 में करीब 2०० देश इस बात पर सहमत हुए कि पेरिस समझौते के अनुच्छेद 6 के अधीन कार्बन बाजार के संचालन की दिशा में बढ़ा जाए। इसके बाद दो देशों के बीच व्यापार और कार्बन क्रेडिट प्रणाली के पूरी तरह काम करने की उम्मीद है। कार्बन ट्रेडिंग जलवायु वित्त का एक अहम स्वरूप है और ये नियम भारत को इस बाजार को परिचालित करने में मदद करेंगे। भारत को उसके वार्ताकार द्वारा समझौते को नकारने तथा दुनिया के गरीब देशों की हिमायत करने का लाभ मिला है। परंतु तथ्य यह है कि विकासशील देशों की आपत्तियों को आसानी से खारिज कर दिया गया। यह बताता है कि इन वार्ताओं में काफी असमानता है और विकसित देश इस संकट में अपने ऐतिहासिक दायित्व से पीछे हट रहे हैं। जलवायु संकट को शंका की दृष्टि से देखने वाली ट्रंप सरकार के आगमन के बाद यह रुझान और बढ़ेगा। ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में पेरिस समझौते को नकार चुके हैं। यह भी ध्यान देने वाली बात है कि बाइडन प्रशासन के ठोस इरादों के बावजूद अमेरिकी कांग्रेस लगातार जलवायु वित्त अनुरोधों पर उसे नकारती रही।

अमर भास्कर

(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)

- वरिष्ठ संरक्षक : वेदभानु आर्य
- संरक्षक : हामिद अली खाँ
- संरक्षक : सुरेश प्रसाद शर्मा
- प्रधान संपादक : फरीद क़ादरी
- संपादक : अबरार अहमद
- कानूनी सला. : मुहम्मद फुरकान, एड.
- व्यवस्थापक : ठा. वेदपाल सिंह
- मैनेजर : केपी यादव
- सह-संपादक : मोहम्म्द राशिद

हमारे यूट्यूब चैनल *Amar Bhaskar News* को सब्सक्राइब करें वैल आइकॉन दबाना न भूलें।

-सर्वेश उपाध्याय, मैनेजिंग एडिटर*

अगर आपके पास भी है कोई कविता, रचना, लेख, गजल एवं छंद तो हमें लिख भेजिए, हमारा पता है:-

अमर भास्कर कार्यालय

निकट होटल रिजेन्सी, लावेला चौक बदायूं (उ.प्र.)।

पिन कोड-2436०1

Email- amarbhashkar21@gmail.com

Whatsapp. No. 9411214614

विवादों के बादल, अकाली दल के अध्यक्ष पद से इस्तीफा

आखिर शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। करीब ढाई महीने पहले अकाल तख्त की ओर से तनखैया (धार्मिक कदाचार का दोषी) घोषित किए जाने के बाद से ही उन पर पद छोड़ने का दबाव था। कई वजहों से यह इस्तीफा पंजाब की राजनीति का एक अहम मोड़ साबित हो सकता है।

पिछले करीब तीन दशकों में यह पहला मौका है जब शिरोमणि अकाली दल के टॉप पर बादल परिवार का कोई सदस्य नहीं है। खुद सुखबीर बादल की बात की जाए तो उन्होंने 2००8 में पिता प्रकाश सिंह बादल के हाथों से पार्टी की कमान ली थी। इन डेढ़ दशकों में धीरे-धीरे पार्टी का ग्राफ नीचे ही आता रहा। 2०17 के विधानसभा चुनावों में यह सत्ता से बाहर हुई और 2०22 में महज तीन विधानसभा सीटों पर सिमट गई। 2०24 के लोकसभा चुनावों में इसका वोट शेयर 2०19 के 27.5 प्रतिशत से घटकर 13.4: पर आ गया और इसे राज्य की कुल 13 लोकसभा सीटों में से मात्र एक सीट पर कामयाबी मिली। इस बीच आम आदमी पार्टी के रूप में प्रदेश राजनीति में एक ऐसे नए खिलाड़ी का उद्भव हुआ, जिसने प्रदेश के पारंपरिक राजनीतिक स्वरूप को बदल कर रख दिया। जाहिर है, अकाली दल के सामने अस्तित्व को बनाए रखने की चुनौती है। ऐसे में अस्वाभाविक नहीं कि बादल के नेतृत्व को पार्टी के अंदर से भी गंभीर चुनौतियां मिल रही थीं। अकाली दल सुधार लहर के रूप में असंतुष्टों का एक ऐसा ग्रुप पार्टी में उभर आया है, जो उनकी राह में लगातार मुश्किलें खड़ी कर रहा था।

हालांकि पार्टी में चल रहे इस आंतरिक संघर्ष को अभी किसी नतीजे पर पहुंचा नहीं माना जा सकता। तनखैया घोषित होने से ठीक पहले बादल ने अपने करीबी बलविंदर सिंह भुंडर को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त कर दिया था। 18 नवंबर को भुंडर ने कार्यसमिति की बैठक बुलाई है जिसमें बादल के इस्तीफे पर विचार होना है। बैठक पर तो निगाहें टिकी ही हैं, विरोधियों को यह भी आशंका है कि अगले महीने होने वाले चुनाव के जरिए बादल फिर से अध्यक्ष निर्वाचित हो सकते हैं। बहरहाल, इस आंतरिक संघर्ष का पार्टी की शक्ति और प्रभाव पर कैसा असर होता है, इस पर सबकी नजरें हैं। इसके नतीजे सिख राजनीति के स्वरूप को प्रभावित कर सकते हैं। इसके अलावा आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और बीजेपी जैसी तमाम पार्टियां भी इस स्थिति से अधिकाधिक फायदा उठाने की कोशिश करेंगीं। यानी आने वाले कुछ हफ्ते और महीने इस सीमावर्ती राज्य के लिए खासे अहम साबित हो सकते हैं।

सुधार की जरूरत, यूपी पुलिस को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए यूपी पुलिस को जैसी कड़ी फटकार लगाई है, उससे जाहिर होता है कि मर्ज पुराना है और गंभीर भी। देश की शीर्ष अदालत को अगर यहां तक कहना पड़े कि पुलिस पावर का आनंद ले रही है और उसे संवेदनशील होने की जरूरत है, तो इसका मतलब कि खाकी उन अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पा रही, जिसके लिए उसे इतनी शक्तियां दी गई हैं। अदालत की टिप्पणी फिर से याद दिला रही है कि देश में पुलिस सिस्टम में सुधार की कितनी जरूरत है। समाज के एक बड़े तबके में पुलिस के लिए आदर नहीं, डर का भाव है। उसे थाने में जाकर अपनी बात कहने से डर लगता है। हम बात करते हैं कि आम जन पुलिस के साथ सहयोग करें, लेकिन ऐसा कैसे हो सकता है,

जब तक कि आम जन का पुलिस पर भरोसा ही नहीं होगा। इसकी वजह है पुलिसिया कार्यप्रणाली, जो अभी तक औपनिवेशिक मानसिकता में जकड़ी दिखाई देती है। और इसकी वजह से कानून नहीं, डर का शासन ज्यादा दिखता है। सवाल यह भी है कि पुलिस इस मानसिकता से निकलेगी कैसे, जबकि उसकी बुनियाद में अब भी 1861 का वही पुलिस एक्ट है, जो अंग्रेजों ने हिंदुस्तानियों पर राज करने के लिए बनाया था। डेढ़ सौ बरस से ज्यादा हो गए और इस दौरान देश-समाज ने इतनी तरक्की कर ली, लेकिन उसकी तुलना में पुलिस सिस्टम वहीं ठहरा हुआ लगता है। कहने को सिस्टम में सुधार के लिए 1977 में नेशनल पुलिस कमिशन बना, रिबेरो समिति, पद्मनाभैया समिति, मलिमथ समिति आई, लेकिन किसी के भी सुझावों पर पूरी तरह अमल नहीं किया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए 2००6 में पुलिस सुधारों के लिए कुछ दिशा-निर्देश दिए थे। इसमें कहा गया था कि स्टेट सिक्यॉरिटी कमिशन का गठन हो और डीजीपी समेत दूसरे अफसरों को भी कम से कम दो साल का मौका मिले। इनका मकसद यह था कि पुलिस को राजनीतिक दबाव से निकाला जाए, ताकि वह स्वतंत्र रूप से काम कर सके। कहने की जरूरत नहीं कि इन पर अमल नहीं हुआ।

मार्च 2०23 में सरकार ने संसद में जानकारी दी थी कि देश में प्रति एक लाख आबादी पर औसतन केवल 152.8० पुलिसकर्मी हैं। यूपी में तो यह आंकड़ा और भी कम था, महज 133.86। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि पूरे देश की पुलिस दबाव में है। सीनियर्स का प्रेशर, काम के घंटे, छुट्टियों की कमी- कुल मिलाकर यह स्थिति उस डिपार्टमेंट के लिए सही नहीं कही जा सकती, जिस पर सुरक्षा जैसी अहम जिम्मेदारी है। हम यह तो सोच रहे हैं कि पुलिस सुधर जाए, लेकिन यह भी सोचना होगा कि उनके काम का माहौल सुधरे। दोनों चीजें साथ होंगी, तभी परिणाम बेहतर मिलेगा।

खेल-खिलाड़ी

रूट ने चौथी पारी में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में सचिन को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान एक खास उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर ली है। रूट ने टेस्ट की चौथी पारी में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया है। अपना 15०वां टेस्ट खेलने वाले रूट ने अपनी टीम की जीत में योगदान दिया और वह 15 गेंदों पर 22 रन बनाकर नाबाद रहे।

रूट भले ही बड़ी पारी नहीं खेल पाए, लेकिन वह चौथी पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में सभी से आगे निकल गए हैं। रूट के अब टेस्ट की चौथी पारी में 163० रन हो गए हैं, जबकि सचिन ने अपने करियर में इस दौरान 1625 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलेस्टियर कुक हैं और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ हैं। इन दोनों ही बल्लेबाजों ने चौथी पारी में कुल एक समान 1611 रन बनाए हैं। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज शिवनारायण चंद्रपॉल ने 158० रन बनाए हैं। मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हरा दिया है। इस तरह इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1-० की बढ़त बना ली है। तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्से की शानदार गेंदबाजी के दम पर इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड की दूसरी पारी 254 रन पर ऑलआउट की। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के सामने 1०4 रनों का लक्ष्य रखा जिसे इंग्लैंड ने 12.4 ओवर में दो खोकर हासिल कर लिया। न्यूजीलैंड केन विलियमसन के अर्धशतक के बाद डेरिल मिचेल की 84 रन की पारी की मदद से इंग्लैंड के खिलाफ बढ़त लेने में सफल रहा था। हालांकि, लक्ष्य इतना बड़ा नहीं था और न्यूजीलैंड के गेंदबाज इसका बचाव नहीं कर सके। ब्राइडन कार्से ने इस मैच में कमाल की गेंदबाजी की। पहली पारी में चार विकेट लेने वाले कार्से ने दूसरी पारी में 42 रन देकर छह विकेट झटके। इस तरह कार्से मैच में कुल 1० विकेट लेने में सफल रहे। अपना तीसरा टेस्ट मैच खेलने वाले कार्से ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 348 रन बनाए थे, जबकि इंग्लैंड ने पहली पारी में 499 रन बनाकर 151 रन की बढ़त हासिल की थी। लक्ष्य का पीछा करते हुए अपना पहला टेस्ट खेलने वाले जैकब बेथेल ने नाबाद 5० रन की पारी खेली और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

चौंपियंस ट्रॉफी के लिए हाइब्रिड मॉडल अपनाने को तैयार पीसीबी

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अगले साल होने वाले चौंपियंस ट्रॉफी के लिए हाइब्रिड मॉडल अपनाने के लिए तैयार है, लेकिन उसने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के समक्ष के अहम शर्त रख दी है। आईसीसी और सदस्य देशों के बीच शुक्रवार को वर्चुअल बैठक हुई थी जिसमें क्रिकेट की वैश्विक संस्था ने पीसीबी को अल्टीमेटम दिया था। आईसीसी ने पाकिस्तान बोर्ड से कहा था कि यह तो वह चौंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी हाइब्रिड मॉडल के तर्ज पर करने के लिए तैयार हो जाए या फिर टूर्नामेंट से बाहर होने के लिए तैयार रहे।

चौंपियंस ट्रॉफी को होने में अब ज्यादा समय शेष नहीं है, लेकिन अब तक इसका कार्यक्रम जारी नहीं हो सका है। चौंपियंस ट्रॉफी 2०25 की मेजबानी पाकिस्तान के पास है, लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस सुरक्षा का हवाला देते हुए इस टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद चौंपियंस ट्रॉफी को हाइब्रिड मॉडल के तर्ज पर आयोजित किए जाने की चर्चा चल रही है। हालांकि, अब तक पीसीबी हाइब्रिड मॉडल को अस्वीकार करता आया है, लेकिन अब उसके सामने ज्यादा विकल्प बचे नहीं है।

हाइब्रिड मॉडल को अगर मंजूरी मिलती है तो चौंपियंस ट्रॉफी में भारत सहित कुछ मुकाबले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में हो सकते हैं। इससे पहले, पिछले साल एशिया कप का आयोजन भी हाइब्रिड मॉडल के तहत किया गया था जिसमें भारत के मुकाबले सहित खिताबी मैच श्रीलंका में हुआ था। माना जा रहा है कि क्रिकेट की वैश्विक संस्था जल्द ही इस बारे में कोई आधिकारिक एलान कर सकती है।

इस बीच, न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार पीसीबी सूत्रों ने बताया है कि पीसीबी अगले साल होने वाले चौंपियंस ट्रॉफी के लिए हाइब्रिड मॉडल स्वीकार करने के लिए तैयार है जिसमें भारत अपने मुकाबले दुबई में खेलेगा, लेकिन उसकी शर्त है कि आईसीसी यह नीति 2०31 तक होने वाले उसके सभी टूर्नामेंट के लिए लागू करे। सूत्र ने साथ ही बताया कि बोर्ड हाइब्रिड मॉडल पर सहमत होने के लिए सालाना राजस्व चक्र में ज्यादा हिस्सेदारी की मांग भी कर रहा है। पीसीबी सूत्र ने कहा, मौजूदा स्थिति में पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा है कि वह चौंपियंस ट्रॉफी के लिए हाइब्रिड मॉडल तभी स्वीकार करेगा अगर आईसीसी इस बात पर राजी हो कि भविष्य में सभी आईसीसी टूर्नामेंट इसी के तर्ज पर आयोजित होंगे जिसमें पाकिस्तान अपने मुकाबले खेलने के लिए भारत नहीं जाएगा। सूत्र ने कहा, पाकिस्तान यह भी चाहता है कि आईसीसी बोर्ड राजस्व में वित्तीय चक्र में उसके हिस्से को 5.75 प्रतिशत से बढ़ा दे और नकवी इस पर अड़े हुए हैं, लेकिन उन्होंने मेजबानी के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं मांगा है। लोग कह रहे हैं कि नकवी ने अपनी सरकार से बात करने के बाद फिर बताने के लिए समय मांगा है। लेकिन हमें नहीं पता कि क्या वह सरकार के समर्थन से वहां गए थे और उन्होंने आईसीसी बोर्ड की वर्चुअल बैठक में अपना पक्ष रखने के लिए पहले ही उनकी मंजूरी मांगी थी। इस मामले पर अब पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी का भी बयान आ गया है। उन्होंने कहा, मैं इस पर ज्यादा टिप्पणी नहीं करना चाहता। क्योंकि इससे चीजें बिगड़ सकती हैं। हमने अपना दृष्टिकोण (आईसीसी को) बता दिया है, भारतीयों ने भी अपना दृष्टिकोण बता दिया है। यह प्रयास सुनिश्चित करना है कि सभी के लिए जीत हो। क्रिकेट को जीतना चाहिए यह सबसे महत्वपूर्ण है, लेकिन सभी के सम्मान के साथ। हम वही करेंगे जो क्रिकेट के लिए सबसे अच्छा होगा। हम जो भी फॉर्मूला अपनाएंगे, वह समान शर्तों पर होगा।

राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ के पदक विजेताओं को भी मिलेगा खेल आरक्षण का लाभ

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को देहरादून में राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ के पदक विजेता खिलाड़ियों को भी सीधी भर्ती के पदों पर अन्य खिलाड़ियों की तरह चार प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिया जाएगा। साथ ही खेल महाकुंभ में जनपद स्तर पर प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को भी स्पोर्ट्स किट प्रदान की जाएगी।

इसके साथ ही उन्होंने ओलंपिक में स्कीइंग में प्रतिभाग करने वाली खिलाड़ी अमीषा चौहान को 50 लाख की प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान किया। एथलेटिक्स में 27वीं नेशनल फेडरेशन में स्वर्ण पदक जीतने वाली सोनिया को दो लाख और 22वें नेशनल फेडरेशन जूनियर में राहुल सरनालिया को स्वर्ण पदक जीतने पर एक लाख रुपए का प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान किया।

उन्होंने कहा कि खेल महाकुंभ विशिष्ट आयोजन है। इसमें खिलाड़ियों को ग्राम पंचायत से लेकर ब्लॉक, जनपद होते हुए, राज्य स्तर तक प्रतिभा प्रदर्शन का मौका मिलता है। इससे राज्य में खेल संस्कृति विकसित करने में मदद मिल रही है। साथ ही खेल महाकुंभ युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ ही अनुशासन और टीम वर्क की भावना विकसित करने में भी योगदान दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गत वर्ष खेल महाकुंभ में सवा तीन लाख से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया था, इस बार का आयोजन इस रिकॉर्ड को तोड़ने का काम करेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस बार के खेल महाकुंभ में विभिन्न स्तर के विजेता खिलाड़ियों को डीबीटी के माध्यम से 11 करोड़ रुपए से अधिक की पुरस्कार राशि वितरित की जाएगी। इसलिए खिलाड़ी आगे आकर अपनी प्रतिभा प्रदर्शन करें।

मुख्यमंत्री सुक्खू बोले- केंद्र सरकार हिमाचल के साथ कर रही भेदभाव

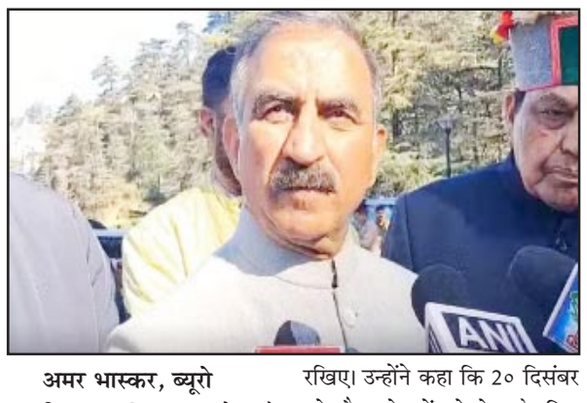

अमर भास्कर, ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू दिल्ली से वापस लौट आए हैं। मीडिया से बातचीत करते हुए शिमला में मुख्यमंत्री सुक्खू ने केंद्र सरकार पर भेदभाव करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार हिमाचल प्रदेश सरकार के साथ भेदभाव कर रही है। जहां-जहां गैर भाजपा की सरकारें हैं, वहां उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में जब आपदा आई, तो राज्य सरकार ने नियमों के मुताबिक पीडीएनए का 10 हजार करोड़ रुपए मांगा। इसके साथ ही लंबे वक्त से एनपीए का नौ हजार करोड़ रुपए भी मांगा जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह हिमाचल प्रदेश का हक है, जो हिमाचल को नहीं मिल रहा है। आने वाले समय में केंद्रीय मंत्रियों से मिलूंगा और कहूंगा कि हिमाचल छोटा राज्य है तो इसका भी ध्यान रखिए। उन्होंने कहा कि 20 दिसंबर को जैसलमेर में पूरे देश के वित्त मंत्रियों की एक बैठक होने वाली है। जिसमें हिमाचल के वित्त मंत्री के तौर पर हिस्सा ले रहा हूं। वह प्रदेश के हितों की पैरवी कर रहे हैं और हिमाचल प्रदेश के अधिकारों को लेकर रहेंगे।

सीएम सुक्खू ने कहा कि 11 दिसंबर 2024 को हिमाचल में कांग्रेस सरकार दो साल का कार्यकाल पूरा करने जा रही है। उन्होंने कहा कि इस दौरान एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये कोई जश्न नहीं है, बल्कि एक कार्यक्रम है। जश्न शब्द का इस्तेमाल तो सिर्फराजनीतिक दृष्टि से ही किया जाता है। कार्यक्रम में सभी पार्टी के पदाधिकारी शामिल होंगे। बता दें कि हाल ही में एचआरटीसी की बस में राहुल गांधी और विपक्ष के अन्य नेताओं के खिलाफ डिबेट सुनने के मामले ने भी तूल पकड़ा था।

महापंचायत में जुटे हिंदूवादी नेता

अमर भास्कर, ब्यूरो

उत्तराखंड। रामलीला मैदान में मस्जिद के खिलाफ देवभूमि विचार मंच की ओर से आज महापंचायत का आयोजन किया गया। इसमें शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में हिंदूवादी नेता पहुंचे हैं। वहीं, हैदराबाद के विधायक टी राजा भी पहुंचे। गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान और स्वामी दर्शन भारती भी महापंचायत में शामिल हुए। विधायक चौहान ने कहा कि उत्तरकाशी को धार्मिक नगरी घोषित करेंगे। इसके लिए सभी को आगे आना होगा। हैदराबाद के विधायक टी राजा ने कहा कि मैं उत्तरकाशी और उत्तराखंड के लोगों को जगाने आया हूं कि एक हो जाओ। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ चाय पर चर्चा करने का सुझाव दिया।कहा कि यूपी के मुख्यमंत्री किस तरह से अवैध मस्जिद मजारों और अवैध कब्जा करने वालों को सबक सिखाते हैं, वह स्टाइल उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को भी सीखने की जरूरत है।

बता दें कि यहां बीते चार माह से मस्जिद विवाद शांत होता नजर नहीं आ रहा है। बीते 24 अक्तूबर को मस्जिद के खिलाफसंयुक्त सनातन धर्म रक्षक संघ ने जनाक्रोश रैली निकाली थी, जिसमें पथराव और लाठीचार्ज की घटना में 9 पुलिसकर्मी सहित 27 लोग घायल हुए थे। वहीं, अब विश्व हिंदू परिषद के आह्वान पर देवभूमि विचार मंच रामलीला मैदान में महापंचायत का आयोजन करने जा रहा है। इस आयोजन को गत शुक्रवार देर शाम प्रशासन ने सशर्त अनुमति दी थी। नव नियुक्त एसपी सरिता डोबाल ने बताया कि महापंचायत के मध्येनजर शहर को 7 जोन और 15 सेक्टर में बांटने के साथ यातायात डायवर्ट करने का निर्णय लिया गया। पुलिस ने महापंचायत के कार्यक्रम पर ड्रोन और अन्य वीडियोग्राफी कैमरों से नजर रखने की बात कही है। इसके साथ ही चप्पे-चप्पे की निगरानी के लिए पुलिस जवान तैनात रहेंगे। इससे पूर्व जनाक्रोश रैली में भी पुलिस ने ड्रोन व अन्य कैमरों से निगरानी की थी। पथराव करने वालों का पता लगाने में भी पुलिस को ड्रोन कैमरों की वीडियो फुटेज काम आयी थी।

नगर पालिका में सेवा निवृत्ति समारोह संपन्न

अमर भास्कर, ब्यूरो

कासगंज। नगर पालिका परिषद कासगंज में सेवा निवृत समारोह कार्यक्रम नगर पालिका परिषद के हाल में पालिका अध्यक्ष मीना माहेश्वरी की जज अध्यक्षता में संपन्न हुआ कार्यक्रम में सेवानिवृत हुए चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी खलीक अहमद एवं सोहनलाल को पालिका अध्यक्ष मीना महेश्वरी एवं अधिशासी अधिकारी पूजा श्रीवास्तव एवं पूर्व पालिका अध्यक्ष राजेंद्र कुमार बोहरे ने फूलमाला एवं पगड़ी पहनाकर शाल उड़ाकर सम्मानित किया तथा इस अवसर पर पूर्व पालिका अध्यक्ष राजेंद्र कुमार बोहरे ने कहा कर्मचारी

अपनी सेवा से सेवा निर्मित हो जाता है।

परंतु अपने दायित्व से सेवानिवृत्ति नहीं होता उसे पारिवारिक रूप से अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए, अधिशासी अधिकारी पूजा श्रीवास्तव ने कहा कर्मचारी अपनी सेवाकाल में रहकर जो सेवाएं देता है उसके बाद सेवानिवृत होता है वह बहुत भाग्यशाली होता है विजय राजपूत ने कहा यह एक सामाजिक प्रक्रिया है। जो सेवा काल में सेवारत होता है उसे समय अनुसार सेवानिवृत्ति भी होना पड़ता है कर्मचारी की सेवाएं हमेशा जनहित में होती हैं। इस अवसर पर मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक विनोद कुमार सिंह स्वास्थ्य निरीक्षक प्रमोद कुमार लेखाकार राजकुमार अवर अभियंता जल विनीत यादव सभासद तस्लीम अहमद के अलावा महेश कुमार वर्मा पूर्व लेखाकार जया भारती लिपिक विजयपाल सिंह लिपिक राजकुमार लिपिक रोहन सिंह चौहान अशोक कुमार मिश्रा सतीश बाबू विजय राजपूत सोनू ईस अहमद पंकज बाहर मियां खूब सिंह कृष्णकांत रंजना रानी शीला सरोज लता प्रवीण कुमार गजेंद्र कुमार राम सिंह कुमारी निमिषा धर्मेंदर कुमार विवेक शर्मा मोहम्मद हसन एवं समस्त पालिका परिवार के कर्मचारी उपस्थित थे।

सार-संक्षेप

हादसों में घायलों को मिलेगा तत्काल सटीक इलाज

अमर भास्कर, ब्यूरो

उत्तराखंड। प्राकृतिक आपदा व सड़क हादसों में गंभीर रूप से घायलों को तत्काल सटीक इलाज मिल सके, इसके लिए ट्रामा नेटवर्क बनाया जा रहा है। इस नेटवर्क में प्रदेश के सरकारी व निजी मेडिकल कॉलेजों के साथ ही बड़े अस्पतालों को सुविधाओं के आधार पर जोड़ा जाएगा। इसके तहत किसी घायल को सीधे उसी अस्पताल रेफर किया जाएगा, जहां उसकी जरूरत के हिसाब से उपचार सुविधा उपलब्ध होगी।

प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों के दूरस्थ क्षेत्रों में बड़े अस्पताल नहीं हैं। प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के साथ जिला अस्पतालों में भी विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी है, साथ ही उच्च चिकित्सा सुविधा का भी अभाव है। इस कारण कई बार घायलों को एक अस्पताल से दूसरे और तीसरे अस्पताल रेफर करना पड़ता है। जिससे घायलों को जल्दी और स्टीक इलाज नहीं मिल पाता। प्रदेश सरकार इस समस्या के समाधान के लिए ट्रामा नेटवर्क तैयार कर रही है। सरकारी अस्पतालों के साथ ही एम्स ऋषिकेश, निजी अस्पताल व निजी मेडिकल कॉलेजों को भी इस नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। इसके बाद घायल को सीधे उसी अस्पताल रेफर किया जाएगा, जहां उसकी जरूरत के हिसाब से डॉक्टर और इलाज उपलब्ध होगा। इस नई पहल के लिए उच्च स्तर पर कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं, जल्द ही इसका शुभारंभ कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का किया गया आयोजन

अमर भास्कर, ब्यूरो

संभल। जनपद सम्भल में 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 4 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 177वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेला सत्रों पर 38 चिकित्सकों एवं 112 पैरा-मेडिकल स्टाफ द्वारा कुल 383 रोगियों (पुरुष रोगी- 1146य महिला रोगी-1228 एवं 89 बच्चों) का नि:शुल्क उपचार किया गया। समस्त मेला सत्रों पर आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के अन्तर्गत 124 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनाये गये।जनपद में आयोजित समस्त मेला सत्रों पर बुखार के 177, चर्म रोग के 395, दमा के 227, मधुमेह रोग के 39, नेत्र रोग से सम्बन्धित 16 तथा अन्य रोगों के मरीज देखे गये। उक्त के सम्बन्ध में 75 रोगियों की मलेरिया जाँच की गयी तथा 26 रोगियों की डेंगू की जाँच की गयीय जिसमे सभी को निगेटिव पाया गया ।जनपद के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन (फैमिली प्लॉनिंग) सम्बन्धी परामर्श व परिवार नियोजन सम्बन्धी सामग्री (चॉइस ऑफ बॉस्केट) के लिये अलग से काउन्टर बनाये गये।

विकास दिव्यांग सेवा समिति अपनी मांगों को लेकर सौपेगी ज्ञापन

अमर भास्कर, ब्यूरो

संभल। विकास दिव्यांग सेवा समिति के माध्यम से जिला अधिकारी संभल को पांच सूत्र मांगों को लेकर एक ज्ञापन दिनांक 3 दिसंबर अंतरराष्ट्रीय विश्व विकलांग दिवस 3 दिसंबर 2024 को एक ज्ञापन दिया जाएगा जिसमें दिव्यांगों की समस्याओं को लेकर जिला अधिकारी महोदय को ज्ञापन के माध्यम से दिव्यांगों की समस्याओं को अगबत कराया जाएगा जिसमें कि हमारी 5 सूत्रीय मांगों के बारे में जिलाधिकारी से वार्ता भी की जाएगी और सरकार जो हम दिव्यांगों साथ जो सौतेला व्यवहार कर रही है उसे हम बर्दाश्त नहीं करेंगे और इसी विषय पर 3 दिसंबर को वार्ता होगी आगे बोलते हुए समिति के अध्यक्ष आस मोहम्मद ने बताया हम अपनी संस्था विकास दिव्यंग सेवा समिति के माध्यम से और सभी दिव्यांगों की सहमति से पांच सूत्रीय मांगों को लेकर एक ज्ञापन राज्यपाल के नाम जिलाधिकारी को सौंपेंगे ज्ञापन देने वालों में समिति के अध्यक्ष आस मोहम्मद मनोज कुमार श्रीवास्तव चौधरी जामिन अली यूनुस वारसी दिनेश कुमार ओमप्रकाश अनुज रघुराज त्यागी तनवीर हैदर सलीम इंतजार हुसैन अतर सिंह अमित कुमार आदि उपस्थित रहेंगे।

भारत विकास परिषद ने विश्व एड्स दिवस पर आयोजित की भाषण प्रतियोगिता

अमर भास्कर, ब्यूरो

चन्दौसी। भारत विकास परिषद शाखा चन्दौसी के तत्वाधान में आवास विकास स्थित एक्सीलेंट कोचिंग सेंटर में विश्व एड्स दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए। मुख्य अतिथि संयुक्त चिकित्सालय चन्दौसी के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ हरवेंद्र सिंह ने बच्चों को मोटीवेट करते हुए बताया कि एचआईबी से पीड़ित व्यक्ति को बीमारी से ज्यादा उसके अपनों द्वारा किया गया भेदभाव पूर्ण व्यवहार एवम सामाजिक वहिष्कार उसको दु:ख पहुंचाता है। किसी भी संशय का निदान उसका परीक्षण किसी भी प्रकार के लक्षण महसूस होने पर तुरंत टेस्ट कराए जो सरकारी

अस्पताल में उपलब्ध है। स्वच्छता का विशेष ध्यान रखे।

मुख्य वक्ता समाजसेवी डॉ टीएस पाल ने कहा विश्व एड्स दिवस 1988 के बाद से 1 दिसंबर को हर साल मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य एचआईवी संक्रमण के प्रसार की वजह से एड्स महामारी के प्रति जागरूकता बढाना, और इस बीमारी से जिनकी मौत हो गई है उनका शोक मनाना है। प्रारंभ में विश्व एड्स दिवस को सिर्फ बच्चों और युवाओं से ही जोड़कर देखा जाता था परन्तु बाद में पता चला कि एचआईवी संक्रमण किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकता है। अत: जागरूकता ही बचाव है, खुद सतर्क रहें और दूसरों को भी जागरूक करें। शाखा संस्थापक महेश कठेरिया ने बच्चों के विचारों को सराहा और उन्हें अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की शुभकामनाएं प्रदान की। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम सिदरा हसन, द्वितीय अनामिका एवम तृतीय कौशल एवम बाकी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार सभी को प्रतीक चिन्ह एवम प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष डॉ एस एन शर्मा ने तथा संचालन पूर्व वित्त सचिव राजेश शर्मा ने किया। इस दौरान डॉ जयशंकर दुबे, यतेंद्र गुप्ता, सुरेश कुमार आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

खटीमा गोलीकांड के दो बलिदानियों को भूले अफसर

अमर भास्कर, ब्यूरो

देहरादून। विधानसभा के अफसर विधानभवन के पुनर्निर्माण कार्यों में बनाई गई शौर्य दीवार पर राज्य के दो बलिदानी आंदोलन कारियों की तस्वीरें लगाना भूल गया। खटीमा गोलीकांड के इन शहीदों के पोट्रेट न होने पर उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच ने नाराजगी जताई है। पिछले कई माह से देहरादून स्थित विधानभवन में पुनर्निर्माण कार्य चल रहे हैं। साज-सज्जा के बीच सबकी निगाहें भवन के प्रवेश द्वार पर बनी खूबसूरत शौर्य दीवार पर टिक रही हैं। यहां राज्य आंदोलन में अपनी जान गंवाने वाले बलिदानियों की पोट्रेट लगाई गई हैं। इनमें खटीमा गोलीकांड के

बलिदानियों की तस्वीरें भी शामिल हैं। खटीमा गोलीकांड के सात में से पांच बलिदानियों की तस्वीरें तो यहां लगी हैं और दो को भुला दिया गया।

शौर्य दीवार पर खटीमा गोलीकांड में बलिदान भगवान सिंह सिरौला, धर्मानंद भट्ट, प्रताप सिंह, गोपीचंद और परमजीत सिंह की तस्वीरें तो लगी हैं लेकिन रामपाल और सलीम अहमद की तस्वीरें नहीं हैं। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच ने इस पर नाराजगी जताई है। मंच के प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप कुकरेती का कहना है कि तमाम दफ्तरों में पार्टी के बड़े नेताओं की तस्वीरें तो आसानी से मिल जाएंगी।

मानकों को ताक पर रखकर चल रहा है खनन

अमर भास्कर, ब्यूरो

चंदौसी। तहसील चंदौसी अंतर्गत थाना कुढफतेहगढ़ क्षेत्र के गांव भीकनपुर के जंगल में पिछले डेढ़ महीने से मिट्टी खनन का कारोबार चल रहा है द्य जिसमें खनन माफिया परमिशन की आड़ में 20 से 25 ट्रैक्टर दिन रात खनन करके अपनी मानकों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। खनन में चल रही ट्रैक्टर ट्राली में ओवरलोड मिट्टी भरकर रास्ते में गिराते हुए ले जा रहे हैं जिससे रोड पर धूल उडती रहती है रोड पर चल रहे वाहन चालकों को उड रही धूल से धुंध होने से हादसे का अंदेशा बना रहता है। कोकाबास अरिल नदी के पुल से भीकनपुर होते हुए नगला पूर्वा को जाने वाले मार्ग पर भीकनपुर

के जंगल में पिछले डेढ़ महीने से खनन का कारोबार चल रहा है। रोड से उतरकर चल रहे खनन तक पहुंचने के लिए जाने वाले कच्चे रास्ते पर एक फीट ऊंची धूल अटी पड़ी है जिससे खेतों पर आने-जाने वाले किसानों को बहुत असुविधा हो रही है। तथा मिट्टी भरे हुए ट्रैक्टर ट्राली निकलने पर रोड पर चलने वाले वाहन चालकों को एवं राहगीरों को धुंध होने के कारण बहुत ही असुविधा होती है और रोड पर उडती धूल के गुब्बारों में हादसा होने का अंदेशा बना रहता है। भीकनपुर के जंगल से खनन करके मिट्टी बनियाढेर तथा चंदौसी के लिए जाती है पांच से सात फिट तक उठा रहे मिट्टी खनन माफिया पांच से सात फिट गहराई तक मिट्टी उठा रहे हैं जिससे खेतों को तालाब बना दिया गया है।

ईंटों से भरे ट्रैक्टर की रगड़ से कार हुई दुर्घटनाग्रस्त

संभल। रविवार को संभल बहजोई मार्ग पर ट्रैक्टर ट्राली की रगड़ से कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कार में दो लोग सवार बताए गए हैं। हादसा उस वक्त हुआ जब कार सवार अपनी कार को पानी के डग की ओर ले जा रहा था।

घटना दोपहर 2 से 3 बजे की है मौके पर सराय तरीन चौकी पुलिस पहुंच गई थी। लोगों की मानें तो एक बड़ा हादसा टल गया क्योंकि ट्रैक्टर में काफी संख्या में ईंट लदी हुई थी। अचानक कार को आता देख ट्रैक्टर चालक के हाथ पांव फूल गए इसके बाद अन्य वाहनों को बचाते हुए ट्रैक्टर की कार से साइड लग गई। जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी मिलने पर पास में ही खड़े पुलिस के जवान मौके पर पहुंच गए, और उन्होंने ट्रैक्टर चालक को रुकवा कर पूछताछ शुरू की। इस दौरान कर सवाल अपनी कार साइड में कर नुकसान का आकलन करने लगा। मौजूद पुलिसकर्मियों ने ट्रैक्टर और कार को थाना हयात नगर भेज दिया।

हिमाचल में 5897 मरीज एचआईवी पॉजिटिव

अमर भास्कर, ब्यूरो

हिमाचल। जिले में एचआईवी, एड्स के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। राज्य में अब तक इनकी संख्या 5897 पहुंच गई है। अधिकांश मामले कांगड़ा, हमीरपुर, मंडी और ऊना से सामने आए हैं। एड्स कंट्रोल सोसायटी का दावा है कि इस बीमारी का प्रसार राष्ट्रीय औसत से कम है। लेकिन नशे की लत और असुरक्षित यौन संबंधों के कारण यह बढ़ता जा रहा है।

हिमाचल प्रदेश राज्य एड्स कंट्रोल सोसायटी के आंकड़ों के अनुसार 31 अक्तूबर 2024 तक एचआईवी (ह्यूमन इन्फेक्शन वायरस) से 5897 लोग प्रभावित हैं। ये वे लोग हैं जिनको एआरटी

(एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी) पर रखा गया है। इनमें 3187 (54 फीसदी) पुरुष, 2705 (45.8 फीसदी) महिलाएं और 5 ट्रांसजेंडर (टीजी) हैं। आयु वर्ग के अनुसार 0 से 15 साल के 5.1 फीसदी, 16 से 30 साल के 21.9 फीसदी, 31 से 45 साल के 49.4 फीसदी, 46 से 60 वर्ष के 21.2 फीसदी और 60 वर्ष से अधिक आयु के 2.4 फीसदी लोग संक्रमित है। आईजीएमसी के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के सहायक प्रो. डॉ. अमित सचदेवा ने बताया कि एचआईवी का प्रसार मुख्य रूप से असुरक्षित यौन संबंधों, संक्रमित सुइयों और रक्त के माध्यम से होता है। हालांकि हाथ मिलाने, गले लगाने, या भोजन साझा करने से यह बीमारी नहीं फैलती है। लेकिन प्रदेश में नशे के मामलों में वृद्धि ने सिरिंज के साझा उपयोग को बढ़ावा दिया है, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ा है। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं के लिए समय पर एचआईवी जांच से मां से बच्चे में संक्रमण के प्रसार को रोक जा सकता है।

एचआईवी एक ऐसी बीमारी है जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को धीरे-धीरे कमजोर करती है। इसका पहला चरण अक्सर पहचान में नहीं आता। बीमारी के लक्षण सामान्य बुखार, गले में खराश, और थकावट जैसे होते हैं।

अमेरिकी डॉलर की जगह और मुद्रा अपनाई तो लगेगा टैरिफः ट्रंप

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित हो चुके हैं। वह अगले साल 20 जनवरी को पदभार संभालेंगे। इस बीच, ट्रंप ने शनिवार को ब्रिक्स देशों को चेतावनी दी है। उन्होंने ब्रिक्स देशों से कहा कि अगर उन्होंने अमेरिकी डॉलर के बजाय कोई और मुद्रा अपनाई तो उन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा।

चेतावनी के साथ ही ट्रंप ने नौ सदस्यीय समूह से प्रतिबद्धता मांगी है, जिसमें भारत, रूस, चीन और ब्राजील शामिल हैं। ब्रिक्स का गठन 2009 में किया गया था। यह एकमात्र प्रमुख अंतरराष्ट्रीय समूह है, जिसका संयुक्त राज्य अमेरिका हिस्सा नहीं है। इसके अन्य सदस्य दक्षिण अफ्रीका, ईरान, मिस्र, इथियोपिया और संयुक्त अरब अमीरात हैं। पिछले कुछ वर्षों में ब्रिक्स के कुछ सदस्य देश, विशेष रूप से रूस और चीन, अमेरिकी डॉलर का विकल्प तलाश रहे हैं या यूं कहें कि वह अपनी ब्रिक्स मुद्रा बना रहे हैं। हालांकि, भारत अब तक रूस और चीन के इस कदम का हिस्सा नहीं रहा है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा कि यह विचार कि ब्रिक्स देश डॉलर से दूर जाने की कोशिश कर रहे हैं। हमें इन देशों से एक प्रतिबद्धता की आवश्यकता है कि वे न तो एक नई ब्रिक्स मुद्रा बनाएंगे, न ही अमेरिकी डॉलर को बदलने के लिए किसी अन्य मुद्रा का समर्थन करेंगे। अगर ये देश ऐसा करने की सोचते हैं तो उन्हें 100 प्रतिशत टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप ने आगे कहा कि इस बात की कोई संभावना नहीं है कि ब्रिक्स अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर की जगह ले लेगा।

उन्होंने कहा कि जो भी देश ऐसा करने की कोशिश करेगा तो उसे अमेरिका को अलविदा कह देना चाहिए। 2023 में दक्षिण अफ्रीका में हुए शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स देशों ने एक नई आम मुद्रा बनाने की संभावना पर विचार करने का निर्णय लिया। इस विचार का प्रस्ताव ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने रखा था। हालांकि, भारत ने इस दिशा में कोई बड़ा कदम उठाने से इनकार कर दिया। भारत का कहना है कि वह डॉलर से दूर जाने के खिलाफहै और इसके बजाय उसे अपने व्यापारिक साझेदारों के साथ व्यावसायिक समाधान तलाशने में दिलचस्पी है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत ने कभी डॉलर को लक्ष्य बनाकर अपनी आर्थिक या राजनीतिक नीति नहीं बनाई।

बांग्लादेश सरकार का फूंका पुतला

अलीगढ़। हिंदुओं के धार्मिक स्थलों व धार्मिक आयोजनों पर तोड फोड के खिलाफ रोष प्रकट करते हुये पूरी प्रदेश मंज पार्टी की जिला इकाईयों को बांग्लादेश सरकार की अंतरिम सरकार के प्रमुख का पुतला फूका और जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रीपति को ज्ञापन भेजने का आवाहन किया है। अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमले के मुद्दे पर रोष जाहिर करते हुये शिवसेना यूबीटी के राज्य प्रमुख श्री सिंह ने कहा कि देश में हिंदूवादी प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर खामोश है और आज तक बांग्लादेशी हिंदुओं पर हमलो हत्याओं के मामले को संयुक्त राष्ट्र संघ में नहीं उठा सके है। ये कैसी हिंदुवादी सरकार है। बांग्लादेश सरकार के मुखिया डाक्टर मोहम्मद यूनुस को न तो भारत सरकार फटकार लगा सकी और न ही अंतराष्ट्रीय मंच पर घेर सकी। बांग्लादेश का हिंदू असहाय ईश्वर के भरोसे हैं।

आज श्री नारायण गुरू की शिक्षाओं की जरूरतः पोप

नई दिल्ली। पोप फ्रांसिस ने कहा है कि आज जब हर जगह नफरत बढ़ रही है तो ऐसे समय में श्री नारायण गुरु का सार्वभौमिक मानव एकता का संदेश प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि समाज सुधारक का संदेश आज की हमारी दुनिया के लिए प्रासंगिक है, जहां हमें लोगों और देशों के बीच असहिष्णुता तथा नफरत बढ़ने के उदाहरण देखने को मिल रहे हैं। एर्नाकुलम जिले के अलुवा में श्री नारायण गुरु के सर्व-धर्म सम्मेलन के शताब्दी समारोह के अवसर पर शनिवार को वेटिकन में धर्मगुरु जुटे।

इन धर्मगुरुओं और प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए पोप फ्रांसिस ने यह बात कही। पोप ने कहा कि श्आज दुनिया में जो अशांति का माहौल है और इसके लिए लोगों द्वारा अपने धर्मों की शिक्षाओं को न अपनाना एक बड़ी वजह है। उन्होंने कहा कि श्री नारायण गुरु ने अपने संदेश के माध्यम से सामाजिक और धार्मिक जागृति को बढ़ावा देने में अपना जीवन समर्पित कर दिया।

गुरु ने अपने संदेश में कहा था कि सभी मनुष्य, चाहे उनकी जाति, धर्म और सांस्कृतिक परंपराएं कोई भी हों, एक ही मानव परिवार के सदस्य हैं। पोप ने कहा कि श्री नारायण गुरु ने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी स्तर पर किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। दुख की बात है कि कई समुदायों और लोगों को नस्ल, रंग, भाषा और धर्म के आधार पर रोजाना भेदभाव तथा तिरस्कार झेलना पड़ रहा है और हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। खासकर ऐसा उन लोगों और समुदाय के साथ हो रहा है जो गरीब और कमजोर तबके के हैं।

पोप फ्रांसिस ने वैश्विक असहिष्णुता से निपटने के लिए श्री नारायण गुरु की शिक्षाओं को अपनाने की अपील की। श्री नारायण गुरु (1856-1928), केरल के एक प्रसिद्ध आध्यात्मिक नेता और समाज सुधारक थे, जिन्होंने अपनी शिक्षाओं में सामाजिक समानता की बात की। उन्होंने जातिगत भेदभाव की निंदा की और एकता और आध्यात्मिक ज्ञान पाने पर जोर दिया। एक पिछड़े हिंदू परिवार में जन्मे श्री नारायण गुरु ने जातिगत भेदभाव को खत्म करने, करुणा, अहिंसा और धार्मिक सद्भाव जैसे मुद्दों पर जोर दिया और इन्हीं कामों के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

ट्रंप सरकार में एक और अहम नियुक्ति

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय मूल के कश्यप उर्फ कश पटेल को संघीय जांच एजेंसी एफबीआई के नए निदेशक के रूप में नामित किया है। कश पटेल को डोनाल्ड ट्रंप का काफी करीबी माना जाता है और ट्रंप की जीत के बाद ही इस बात की चर्चा थी कि ट्रंप, कश पटेल को अहम जिम्मेदारी दे सकते हैं। कश पटेल अमेरिकी सरकार के भीतर डीप स्टेट को खत्म करने के मुखर समर्थक रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि श्कश एक शानदार वकील, जांचकर्ता और अमेरिका फर्स्ट योद्धा हैं, जिन्होंने अपना करियर भ्रष्टाचार को उजागर करने, न्याय की रक्षा करने और अमेरिकी लोगों की रक्षा करने में बिताया है। डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान कश पटेल ने रूस होक्स मामले को उजागर करने में अहम भूमिका निभाई थी। डोनाल्ड ट्रंप एफबीआई के मौजूदा निदेशक क्रिस्टोफर रे के कामकाज से खुश नहीं हैं। ट्रंप ने ही रे को साल 2017 में एफबीआई का निदेशक नियुक्त किया था, लेकिन गोपनीय दस्तावेजों से जुड़ी जांच में रे ने जिस तरह से ट्रंप के खिलाफकार्रवाई की, उससे ट्रंप खासे नाराज हैं।

कश पटेल जिस एफबीआई के निदेशक नामित किए गए है, उसी एफबीआई के वे मुखर आलोचक हैं। एक टीवी शो के दौरान कश पटेल (44 वर्षीय) ने एफबीआई में आमूलचूल परिवर्तन करने की बात कही है। जिसमें एफबीआई के खुफिया जानकारी जुटाने से रोकने और एफबीआई मुख्यालय का फिर से निर्माण कश पटेल की प्राथमिकता में है। कश पटेल का कहना है कि जैसे ही वह अपना पद संभालेंगे तो अगले दिन से ही वह एफबीआई मुख्यालय में काम करने वाले सात हजार कर्मचारियों को फील्ड में भेज देंगे क्योंकि उनका काम अपराधियों को पकड़ना है।

लोगों ने की ट्रंप से की रिहाई की मांग

यरुशलम। 7 अक्तूबर 2023 को हमास के हमले के साथ शुरू हआ युद्ध अभी तक खत्म नहीं हुआ है। इन ढेढ़ साल के समय में दुनिया ने दोनों देशों को बीच कई सारी चिजें देख ली। इसी सिलसिले में एक और बड़ी खबर सामने आ रही है जहां फलस्तीनी उग्रवादी समूह हमास ने शनिवार को एक इस्त्राइल-अमेरिकी बंधक का वीडियो जारी किया, जिसमें वह अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से उसकी रिहाई की अपील कर रहा था।

बता दें कि बंधक का वीडियो सामने आते ही उसके परिवारों के फोरम ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप से अपील की कि वे बंधकों की रिहाई के लिए अपने प्रयासों को बढ़ाएं, क्योंकि बंधकों की जान खतरे में है। इस्त्राइली 20 साल के बंधक एडन अलेक्जेंडर की मां येल ने कहा कि उन्होंने वीडियो देखकर बहुत दुख महसूस किया, जिसमें उनका बेटा दीवार के सहारे एक अंधेरी जगह पर बैठा था।

न्यूयॉर्क में सरकारी खर्च पर रहेंगे घुसपैठिए

अमेरिका। रिपब्लिकन विवेक रामास्वामी ने पाकिस्तान सरकार के होटल और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को आड़े हाथों लिया है। दरअसल, एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि न्यूयॉर्क में स्थित फाइव स्टार रूजवेल्ट होटल में अवैध प्रवासियों को रखने के एवज में न्यूयॉर्क शहर ने उसे 220 मिलियन डॉलर का भुगतान किया है। इर होटल का स्वामित्व पाकिस्तान सरकार के पास है। विवेक रामास्वामी ने इस कदम की आलोचना की है। उन्होंने इसे पागलपन करार दिया है।

दरअसल, ट्रंप ने दिग्गज कारोबारी एलन मस्क के साथ ही विवेक रामास्वामी को डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी का संयुक्त कार्यभार सौंपा है। इस विभाग के तहत मस्क के साथ उन्हें सरकारी खर्च में फि जूलखर्ची को हटाने का काम सौंपा गया है। अमेरिका में बड़े पैमाने पर अवैध रूप से विदेशी प्रवासी पहुंचते हैं। पकड़े जाने पर उन्हें सरकारी खर्च पर रखा जाता है, जिन पर बाद में या तो अभियोग चलाया जाता है या वापस उनके देश भेज दिया जाता है। ऐसे ही अवैध प्रवासियों को रखने के लिए न्यूयार्क शहर ने लिए पाकिस्तान सरकार के स्वामित्व वाले एक होटल को 220 मिलियन डॉलर में किराये पर लिया। शनिवार को आई रिपोर्ट में इसका दावा किया गया था। इस खुलासे पर विवेक रामास्वामी भड़क गए। उन्होंने इसे पागलपन बताया।

रिपब्लिकन रामास्वामी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि अवैध प्रवासियों के लिए करदाताओं द्वारा उस वित्तपोषित होटल को भुगतान किया गया, जिसका स्वामित्व पाकिस्तानी सरकार के पास है। इसका मतलब है कि न्यूयॉर्क के करदाता वास्तव में हमारे अपने देश में अवैध प्रवासियों को रखने के लिए एक विदेशी सरकार को भुगतान कर रहे हैं। यह पागलपन है। उनका गुस्सा तब भड़का जब लेखक जॉन लेफेवर ने एक्स पर इसके बारे में रिपोर्ट की। उन्होंने कहा कि अवैध प्रवासियों को रखने के लिए न्यूयॉर्क शहर ने मैनहट्टन स्थित रूजवेल्ट होटल को 220 मिलियन डॉलर में किराए पर लिया है।

रूजवेल्ट होटल का स्वामित्व पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस के पास है, जो एक शहबाज सरकार की एयरलाइन है। लेफेवरे ने कहा कि इस होटल का स्वामित्व पाकिस्तान सरकार के पास है। यह सौदा आईएमएफ के 1.1 बिलियन डॉलर के बेलआउट पैकेज का हिस्सा था।

मीडिया को मानते हैं यूएस का सबसे ताकतवर दुश्मन

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय मूल के कश पटेल को बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए संघीय जांच एजेंसी एफबीआई का नया निदेशक नियुक्त किया है। कश पटेल की नियुक्ति अमेरिका में अच्छी खासी सुर्खियां बटोर रही है और इसकी वजह है कश पटेल का अमेरिकी मीडिया और न्याय विभाग को लेकर नजरिया। कश पटेल अमेरिकी मीडिया को देश का सबसे ताकतवर दुश्मन मानते हैं।

एक बातचीत के दौरान कश पटेल ने अमेरिकी मीडिया के खिलाफ बड़ी कार्रवाई के संकेत दिए थे। अब जब वह एफबीआई निदेशक बन गए हैं तो उनके फैसलों पर सभी की निगाहें होंगी। साल 2023 में एक इंटरव्यू के दौरान कश पटेल ने कहा था कि सत्ता में आने पर वे कानूनों में ऐसा बदलाव करेंगे, जिसके बाद पत्रकारों के खिलाफ भी मुकदमा करना आसान हो जाएगा।

कश पटेल ने कहा था कि वे न सिर्फ सरकार में बल्कि मीडिया में भी मौजूद साजिशकर्ताओं को बेनकाब करेंगे और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। सूचना लीक करने के मामलों में भी कश पटेल ने दोषी पत्रकारों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही थी। कश पटेल ने कहा था कि मीडिया मे मौजूद जिन लोगों ने अमेरिकी नागरिकों से जो बाइडन की राष्ट्रपति चुनाव में धोखाधड़ी के बारे में झूठ बोला था, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। साल 2016 में डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव में कथित रूसी हस्तक्षेप की जांच के दौरान कश पटेल ने कहा था कि मीडिया अमेरिका का अब तक का सबसे बड़ा दुश्मन है।

कश पटेल एफबीआई की मौजूदा व्यवस्था के भी मुखर आलोचक हैं। एक टीवी शो के दौरान कश पटेल ने एफबीआई में आमूलचूल परिवर्तन करने की बात कही। जिसमें एफबीआई के खुफिया जानकारी जुटाने से रोकने और एफबीआई मुख्यालय का फिर से निर्माण कश पटेल की प्राथमिकता में है। कश पटेल का कहना है कि वह एफबीआई अधिकारियों के फील्ड में उतरकर जांच करने के पक्ष में हैं। साथ ही उन्होंने एफबीआई के नए मुख्यालय को राजधानी वॉशिंगटन डीसी के बाहर बनाने की योजना बनाने की बात कही थी।

ईयू वार्ता रोकने पर प्रदर्शन कारियों की हुई झड़प

जॉर्जिया। देश को यूरोपीय संघ में शामिल करने के प्रयास के तहत शुरू हुई वार्ता को रोकने के सरकार के फैसले का विरोध कर रहे हजारों प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार की रात संसद की तरफकूच किया और यहां पुलिस के साथ उनकी झड़प हुई। पुलिस ने इस संबंध में शनिवार शाम तक 100 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया। प्रदर्शन कारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को पानी की बौछारें छोड़नी पड़ीं, मिर्च स्प्रे का इस्तेमाल करना पड़ा और आंसू गैस के गोले दागने पड़े। प्रधानमंत्री इराकली कोबाखिद्जे द्वारा वार्ता रोकने की घोषणा किए जाने के बाद जॉर्जिया की राजधानी त्बिलिसी में प्रदर्शनकारी इससे पिछली रात भी सड़कों पर उतर आए थे। प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार शाम फिर संसद की तरफकूच किया।

सोशल मीडिया प्रतिबंध लगाने के खिलाफ एलन मस्क

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंध लगाने वाला पहला देश बन गया है। यह कदम सोशल मीडिया के युवाओं की मानसिक सेहत पर पड़ने वाले असर को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच उठाया गया। वहीं, दिग्गज टेक कारोबारी एलन मस्क ने इसकी आलोचना की है, जिस पर ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीज भड़क गए है।

उन्होंने मस्क पर पलटवार करते हुए कहा कि मस्क द्वारा इस निर्णय की आलोचना करना, एक्स के मालिक द्वारा अपने एजेंडे को बढ़ाने की कोशिश है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह इस निर्णय के बारे में किसी से भी बात करने को तैयार हैं। दरअसल, लंबी और भावनात्मक बहस के बाद गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया ने बाद बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध को मंजूरी दे दी थी। ऑस्ट्रेलिया के इस निर्णय ने दुनिया भर के न्यायालयों के लिए एक बेंचमार्क स्थापित किया।

हालांकि यह निर्णय उसके प्रमुख सहयोगी अमेरिका के साथ उसके रिश्तों को भी खराब कर सकता है। अमेरिका में इसका विरोध तब शुरू हुआ जब दिग्गज टेक कारोबारी और अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप के कैबिनेट में शामिल एलन मस्क ने एक पोस्ट में इसकी आलोचना की। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि यह निर्णय सभी ऑस्ट्रेलियाई लोगों की इंटरनेट तक पहुंच को नियंत्रित करने का एक रास्ता प्रतीत होता है। इस नियम को लागू करने को लेकर रविवार को जब अल्बनीज से पूछा गया कि क्या वह सोशल मीडिया प्रतिबंध के बारे में मस्क से बात करने के लिए तैयार हैं, तो उन्होंने कहा कि हम किसी से भी बात करेंगे।

उन्होंने कहा कि एलन मस्क एक्स के एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम इसे पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्प हैं। यह कानून इंस्टाग्राम और फेसबुक के मालिक मेटा से लेकर टिकटॉक तक की दिग्गज टेक कंपनियों को नाबालिगों को लॉग इन करने से रोकने के लिए बाध्य करता है।

ताइवान को हथियार बेचेगा अमेरिका

बीजिंग। चीन और ताइवान के बीच जारी तनाव के बीच अमेरिका ने ताइपे के लिए बड़े सैन्य सौदे को मंजूरी दे दी है। इस सौदे के तहत अमेरिका ताइवान को एफ-16 जेट और रडार के लिए स्पेयर पार्ट्स की बिक्री करेगा। इस सैन्य सौदे की कीमत 385 मिलियन अमेरिकी डॉलर बताई जा रही है।

अमेरिकी रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी ने बताया कि साल 2025 में इसके शुरू होने की उम्मीद है। इस सौदे के लिए अमेरिका की सहमति तब आई है जब ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते की प्रशांत क्षेत्र की यात्रा करने जा रहे हैं। अमेरिका के इस कदम से चीन की चिंताएं बढ़ गई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, डीएससीए ने इस सौदे की जानकारी देते हुए कहा कि अमेरिकी विदेश विभाग की मंजूरी का उद्देश्य ताइवान को अपने एफ-16 बेड़े की परिचालन तैयारी बनाए रखने में मदद करना है। जिससे द्वीप वर्तमान और भविष्य दोनों खतरों से निपटने में सक्षम हो सके। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह नया हथियार सौदा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के दौरान किया गया 18वां सौदा है।

दरअसल, चीन के बढ़ते दबाव के बीच ताइवान सक्रिय रूप से अमेरिका के साथ अपने सैन्य संबंधों का विस्तार करने में लगा हुआ है। इस कारण द्वीप के आसपास सैन्य गतिविधि बढ़ गई है। पिछले महीने, अमेरिका ने ताइवान के लिए 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर के हथियार पैकेज को मंजूरी दी थी। इसमें उन्नत मिसाइल सिस्टम और रडार शामिल थे।

एक किलो गांजे के साथ पकड़ा तस्कर

अमर भास्कर, ब्यूरो।

अलीगढ़। थाना क्वार्सी पुलिस टीम ने अवैध नशीले पदार्थ गांजा सहित एक तस्कर गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक किलो दो सौ पचास ग्राम गाँजा बरामद किया है। जनपद अलीगढ़ द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण व वांछित वारण्टी की गिरफ्तारी एवं अवैध शराब चरस, गांजा व अन्य नशीले पदार्थों की बरामदगी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना क्वार्सी पुलिस टीम ने बाबू उर्फ नसीम पुत्र चमन निवासी इस्लामनगर थाना क्वार्सी को 1250 ग्राम गाँजा सहित वहीदनगर बडे पीपल के पास से गिरफ्तार किया गया है।

अमेरिकी द्वीप में ताइवानी राष्ट्रपति का रेड कार्पेट स्वागत

ताइवान। देश के राष्ट्रपति लाई चिंग ते प्रशांत क्षेत्र के दौरे पर हैं। इस दौरे के क्रम में वे शनिवार को हवाई पहुंचे। जहां होनोलुलु के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टरमैक पर उनका रेड कार्पेट स्वागत किया गया। इस दौरान फूलमालाएं पहनाकर उनका अलोहा अभिवादन भी हुआ।

इस बारे में उनके कार्यालय ने कहा कि यह पहली बार था जब अमेरिकी द्वीप पर किसी ताइवानी राष्ट्रपति का इतना भव्य स्वागत किया गया। वहीं, ताइवान को अपना हिस्सा बताने वाले चीन ने बतौर राष्ट्रपति लाई की पहली विदेश यात्रा की कटु आलोचना का है। चीन ने ताइवान के स्वतंत्रता के किसी भी प्रयास को दृढ़ता से कुचलने की धमकी दी है। होनोलुलु के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद लाई ने अमेरिकी द्वीप राज्य का भ्रमण किया। इस दौरान वे प्रशांत द्वीप इतिहास संग्रहालय, आपातकालीन प्रबंधन केंद्र और पर्ल हार्बर में यूएसएस एरिजोना स्मारक भी पहुंचे। हवाई में वाशिंगटन में ताइवान के अमेरिकन इंस्टीट्यूट की प्रबंध निदेशक इंग्रिड लार्सन, हवाई के गवर्नर जोश ग्रीन तथा अन्य लोगों ने उनसे मुलाकात भी की। अपने दौरे के क्रम में लाई आज शाम को रात्रिभोज में सप्ताह भर की यात्रा का पहला सार्वजनिक भाषण देने की उम्मीद है। इस रात्रिभोज में अमेरिकी सरकारी अधिकारी और विदेश में रहने वाले ताइवान के लोग भी शामिल होंगे। हवाई के बाद लाई ताइवान के सहयोगी मार्शल द्वीप, तुवालु और पलाऊ का दौरा करेंगे। ये उन 12 देशों में से एकमात्र प्रशांत द्वीप राष्ट्र हैं जो ताइवान के राज्य के दावे को मान्यता देते हैं। इसके अलावा, लाई गुआम में भी एक रात रुकेंगे।

लाई ने ताइपे में उड़ान भरने से कुछ समय पहले कहा कि इस यात्रा से मूल्यों पर आधारित लोकतंत्र के एक नए युग की शुरुआत हुई है। इसके साथ ही उन्होंने इस यात्रा को सुचारू बनाने में मदद करने के लिए अमेरिकी सरकार को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि वह लोकतंत्र, शांति और समृद्धि के मूल्यों के आधार पर बढ़ाना है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अजरा परवीन द्वारा वेदवीर प्रिन्टर्स, विद्यापीठ पुरम् सिविल लाइन, बदायूं से मुद्रित एवं कार्यालय अमर भास्कर निकट रीजेन्सी होटल लावेला चौक, बदायूं (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादकः अबरार अहमद** (इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन हेतु पी.आर.बी. की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी)। समस्त विवाद बदायूं न्यायालय के अधीन होगें। मोबाइल नं. 9411214614, ई-मेलः amarbhashkar21@gmail.com, RNI No.:- UPHIN/2021/82941

आयोजनः मुंशी हमीदुल्ला आतिफ की याद में डॉ वकारुल्लाह अब्बासी ने आयोजित की शेरी नाशिस्त

शायरों ने अपने कलाम पेश कर लूटी वाह वाही

अमर भास्कर ब्यूरो

शेरकोट। मौहल्ला शेखान में मरहूम मुंशी हमीदुल्लाह अब्बासी की याद में डॉक्टर वकारुल्लाह अब्बासी ने एक शेरी नाशिस्त का आयोजन कराया जिसमें भारी तादाद में लोगों ने शिरकत की।

फीता डॉ इमरान सागर नगिनवी व हाजी इसरार एवं बरकतउल्ला अब्बासी ने काटा जब के शामा रोशन उर्दू के पत्रकार डॉ फसीहउल्लाह अब्बासी वे वरिष्ठ समाज सेवी डॉ जैदी ने की। प्रोग्राम की सदारत डॉ फसीहउल्लाह ने की जबकि निज़ामत के फराइज़ सज्जाद सिद्दीकी ने अंजाम दिया। कन्वीनर मुशायरा डॉ वकारुल्लाह व चौधरी फहीम रहे मुशायरा का बाकायदा आगाज़ अब्दुल अहद की नाते पाक से हुआ। मुशायरा को समाईन ने दिलचस्पी से सुना और खूब दाद व तहसीन से नवाजा मजाहिया शायर रफीक शेरकोटी ने अपनी शायरी से लोगों को खूब हसाया और दुआएं हासिल की कुछ पसंदीदा अशआर दर्ज ज़ैल है। मां से कम बाप का किरदार नहीं होता-बाप से बढ़के कोई गम हर नहीं होता, अरशद नींदड्वीइयाद आएंगे हजरते आसिम-जिक्रे शेरो अदब जहां होगा, सज्जाद सिद्दीकी इुबाप की लाचारगी पर हो गया हवि जहेज़-उसने आंखें बेच दी बेटी बसाने के लिए,डॉ जैदी इदीवानगी जाएगी कहां सर से निकाल कर- हो जाए ना बे घर यह मेरे घर से निकाल कर, अफजल शेरकोटी इतू भूल गया मुझको यह हिम्मत की बात है-मुझ में तुझे भूलने की हिम्मत नहीं रही, मुकीम शेरकोटी इदानिश हमारे दिल पे जो करता रहा सितम-यह दिल अजब है उसका ही दीवाना हो गया, दानिश शेरकोटीइचेहरे को चूमने लगीचंदा की चांदनी-आंगन में जब वो आगया गेसू समेत कर,डॉ इमरान सागरइकब तलक सोती रहेगी गफलतों की नींद में-अब तो मेरी कौम को बेदार होना चाहिए, तस्लीम अहमदइदीवार क्या संभाले बुरे वक्त में फहीम-छत भी टपक रही है गरीबी में देखीये, फहीम अहमदइमिटा के खुद को तुम्हें पाना चाहता हूं में-के फासलों को मिटा देना चाहता हूं में, बुरहान साहिल के अलावा मो यूसुफ अरशद अब्बासी वसीम अब्बासी मोहम्मद नाजिम आदि ने अपना कलाम पेश किया। देर रात तक मुशायरा चला रहा मुशायरे को कामयाब बनाने में सैफ मंसूरी मो उमेद मो सैफ सुभाहान अब्बासी अनस अब्बासी अफ्फान आदि समस्त पत्रकार गण का विशेष योगदान रहा अंत में सदरे मुशायरा ने तमाम हाजिरीन का शुक्रिया अदा किया और उर्दू जबान व आदब को फुरुग देने की अपील की बच्चों को उर्दू की तालीम जरूर पढ़ाये यह मां बाप की जिम्मेदारी है।

एएसपी पूर्वी व सीओ ने किया स्योहारा में पैदल गश्त

अमर भास्कर ब्यूरो

स्योहारा। जनपद बिजनौर के लोकप्रिय पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा के निर्देशों के चलते समस्त जनपद बिजनौर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से वह अपराधियों में वह कायम रखने के लिए अधिकारियों द्वारा पैदल ग्रस्त किया जा रहा है जिसके चलते से स्योहारा थाना क्षेत्र में अपर पुलिस अधीक्षक, पूर्वी धर्म सिंह मार्छाल व सीओ सर्वम सिंह ने किया स्योहारा में पैदल गश्त किया।

अपर पुलिस अधीक्षक, पूर्वी धर्म सिंह मार्छाल व सीओ सर्वम सिंह ने बताया कि स्योहारा क्षेत्र में में पैदल गस्त किया गया। जिसका उद्देश्य क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही अपराधियों में भय व्यवस्था बनाना है। पुलिस बल के साथ कस्बा स्योहारा में शांति एवं कानून व्यवस्था तथा आमजन में सुरक्षा का भाव जागृत करने के उद्देश्य से मुख्य मार्गों व अन्य भीड़ वाले स्थानों पर पैदल गस्त की गई। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी धर्म सिंह मार्छाल, पुलिस क्षेत्राधिकारी सर्वम सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे ।

गर्व का पलः अदम्य अग्निदेव का असिस्टेंट कमांडेंट के लिए हुआ चयन

अमर भास्कर ब्यूरो

धामपुर। स्वर्गीय ठाकुर राजेंद्र सिंह (ठाकुर कोचिंग सेंटर, धामपुर) तथा ठाकुर बिंदु सिंह के इकलौते सुपुत्र अदम्य अग्निदेव का इंडियन कोस्ट गार्ड में असिस्टेंट कमांडेंट के रूप में चयन हुआ है जिसको लेकर उनके परिवार सहित उनके शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है वही चयन होने के प्रथम बार धामपुर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया।

अदम्य की शुरुआती शिक्षा रानी फूल कुमारी मेमोरियल स्कूल रानी बाग कॉलोनी, हाईस्कूल व इंटरमीडिएट प्रियंका मॉडर्न स्कूल धामपुर और ग्रेजुएशन ऋरूकॉलेज धामपुर से हुई। ग्रेजुएशन के साथ ही घर पर अपने पापा के नोट्स से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी जारी रखी। पापा के गुजरने के पश्चात भी अपने जीवन के कठिन दौर से संघर्ष करते हुए अपने पापा के सपने को पूरा करने के लिए घर पर ही लगातार तैयारी जारी रखी और सीजीएल प्री दो बार, सीजीएल मेन एक बार, सीडीएस दो बार, एएफसीएटी चार बार उत्तीर्ण किया। इंडियन कोस्ट गार्ड असिस्टेंट कमांडेंट की परीक्षा उत्तीर्ण कर 5 दिन तक चलने वाला एसएसबी इंटरव्यू उत्तीर्ण किया और ऑल इंडिया रैंक 16 प्राप्त की। अन्ततः इंडियन नेवल अकादमी, केरल में 6 माह की ट्रेनिंग के बाद पासिंग आउट परेड के दिन असिस्टेंट कमांडेंट का पद प्राप्त किया। अदम्य अपनी सफलता का श्रेय अपनी माता श्रीमती बिंदु को देते हैं जिन्होंने उन्हें हमेशा प्रोत्साहन दिया और उनकी प्रेरणा बनकर साथ रहीं। स्वागत कार्यक्रम में राजेंद्र जी, शिक्षा देवी महिपाल सिंह, उमा रानी, सरोज देवी, गर्वित चौधरी, आशा चौधरी, करुणा चौहान, संदीप कुमार, गुड़िया रानी, चौखे सिंह, शमला देवी, रेखा रानी, प्रभा रानी, विनय चौहान, वर्षा चौहान, माही, जुबैर, प्रियांशु, ईशा, तृप्ति आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

पेड़ लगाओ जीवन बचाओ मुहिम के शानदार मिशन को आगे बढ़ा रहे हैं सनाउल्लाह मंसूरी

मुहिम के अंतर्गत बार संघ के पूर्व अध्यक्ष वसीम अहमद एडवोकेट ने लगाए 50 पेड़

अमर भास्कर ब्यूरो

नजीबाबाद। पेड़ लगाओ जीवन बचाओ मुहिम की शुरुआत करने वाले सोशल मीडिया एक्टिविस्ट सनाउल्लाह मंसूरी की मेहनत रंग ला रही है, सनाउल्लाह मंसूरी के इस प्रयास की लोग खूब सराहना कर रहे है। सनाउल्लाह मंसूरी का कहना है कि उन्होंने ठाना है शहर नजीबाबाद को हरा भरा करना है, इसी के लिए वह कार्य कर रहे है।

नगर के मौहल्ला जाब्तागंज स्थित बारात घर पर पेड़ लगाओ जीवन बचाओ मुहिम के अंतर्गत बार संघ के पूर्व अध्यक्ष वसीम अहमद एडवोकेट द्वारा 50 पेड़ लगाए गए। वसीम एडवोकेट ने पेड़ लगाओ जीवन बचाओ मुहिम की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह इससे बहुत ही प्रभावित हुए है, उन्होंने कहा कि पेड़ ही जीवन है और पेड़ से ऑक्सीजन मिलती है, हमे इस मुहिम में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। उत्तरप्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिला अध्यक्ष कपिल सर्राफ ने कहा कि पेड़ ही जीवन है, इसके लिए हमें सभी को आगे आना चाहिए, उन्होंने यह मुहिम चलाने लिए सनाउल्लाह मंसूरी की सराहना की। समाजसेवी रईस कुरैशी, अमानुल्लाह, नवेद फरीदी, जीशान नजीबाबादी आदि लोगो ने भी शहरवासियों से ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने पर जोर दिया। सोशल मीडिया एक्टिविस्ट सनाउल्लाह मंसूरी ने कहा कि शहर को हरा भरा करने और यहां का वातावरण बेहतर करने के लिए उन्होंने इस मुहिम की शुरुआत की थी, उन्होंने सभी से इस मुहिम में जुड़ने और पेड़ लगाने के साथ साथ उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। बता दे कि पेड़ लगाओ जीवन बचाओ मुहिम की शुरुआत करने वाले सनाउल्लाह मंसूरी ने इस मुहिम की शुरुआत कुछ दिन पहले नगर के स्टेब्स ग्राउंड से की थी, उन्होंने इस मुहिम से जुड़े लोगों के साथ शहर के स्टेब्स ग्राउंड में बड़ी संख्या में पेड़ लगाए थे, जिसकी शहर के जिम्मेदार लोगो ने खूब सराहना की थी। इस मौके पर वसीम अहमद एडवोकेट, सनाउल्ला मंसूरी, कपिल सर्राफ, जीशान नजीबाबादी, इशाक ठेकदार, ताहिर अंसारी, इब्राहिम एडवोकेट, जितेन्द एडवोकेट, मजीद मेंबर, रियासत अल्वी, साबिर अल्वी, यासीन पहलवान, कु?वा अली, वसीम मिर्ज़ा, शाकिर अंसारी, नदीम अंसारी, मंसूरी कुरैशी, फैसल तय्यब, सुलेमान खान, जुल्फिकार अंसारी, अमानुल्ला मंसूरी, नौशाद खान, फहमीद एडवोकेट मुकीम कुरैशी, शाहिद सिद्दीकी, डॉक्टर दानिश मंसूरी, नदीम फारूकी, शाहिद फरीदी इत्यादि सम्मानितगढ़ मौजूद रहें।

जनहित की खबरों को प्रमुखता के साथ प्रकाशित करें : मुकेश त्यागी

▶▶ प्रगतिशील पत्रकार संगठन पंजीकृत की मासिक बैठक का हुआ आयोजन, स्वाभिमान भरी पत्रकारिता करने का लिए गया निर्णय

▶▶ सत्यता के आधार पर लिखे समाचारः रतेंद्र विश्नोई

अमर भास्कर ब्यूरो

नगीना। प्रगतिशील पत्रकार एसोसिएशन पंजी की मासिक बैठक में पत्रकारों से मान सम्मान और स्वाभिमान भारी पत्रकारिता करने का निर्णय लिया गया।

एसोसिएशन पंजी की मासिक बैठक अंबेडकर रोड स्थित पत्रकार कार्यालय पर रविवार को पूर्वाह्न 11 बजे अध्यक्ष डॉक्टर रतेंद्र बिश्नोई की अध्यक्षता एवं महामंत्री धर्मेंद्र चौधरी के संचालन में संपन्न हुई बैठक में निर्णय लिया गया के पत्रकारों को अपने मान सम्मान और स्वाभिमान से कोई भी समझौता नहीं करना चाहिए और घटित वारदातों को नजरअंदाज ना करें बल्कि उन्हें प्रमुखता से छापे यही पत्रकारिता की पहचान है बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि संगठन को और मजबूत बनाने के लिए अब पत्रकारों को एकजुट हो जाना चाहिए। अध्यक्ष पद से बोलते हुए वरिष्ठ पत्रकार डॉक्टर रतेंद्र बिश्नोई ने कहा कि समय को ध्यान में रखते हुए साक्षो के आधार पर अपनी लेखनी को अंजाम दे, सभी पत्रकार साथियों से कमजोर और पीड़ित लोगों की आवाज बनने का आह्वान किया। ताकि क्षेत्र में पत्रकारों की अलग से पहचान बन सके। उन्होंने आगे कहा कि पत्रकार जनता की भीड़ का हिस्सा ना बने बल्कि अपनी कलम का इस्तेमाल कर अपनी पहचान बनाए। बैठक में मुकेश त्यागी, डॉ अभय बिश्नोई, अफसार सिद्दीकी, विकास अग्रवाल, डॉक्टर संदीप शर्मा, नंदकिशोर मनोज वाल्मीकि ,कुंवर हर्षवर्धन सिंह, मनोज टंडन, हेमेश कश्यप आदि समेत सभी पदाधिकारी व सदस्य गण मौजूद रहे।

ओवरलोड गन्ने से भरे ट्रक में दौड़ा 11 हजार का करंट, चालक की मौत

अमर भास्कर ब्यूरो

किरतपुर। क्षेत्र के गांव से गुजर रहे एक ट्रक में 11 हजार का करंट दौड़ने से ड्राइवर की उपचार के लिए ले जाते समय मौत हो गई। वही ग्रामीणों ने गाड़ी में ओवरलोड होना और गांव से गुजर रहे 11हजार की लाइन को हादसे का कारण बताया है।

क्षेत्र के गांव ब्रह्मजीतपुर चंदा में बुंदकी मील का सेंटर है जहां से ट्रक लोड होकर गांव जफरुल्लापुर से गुजरते हुए जाते हैं। उक्त गन्ना सेंटर से गाड़ी संख्या यू पी 21 ए एन 25,46 जा रही थी।जिसको कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव मसूरी का रहने वाला मोनू 21 वर्ष पुत्र कालू चला रहा था। जैसे ही वह गाड़ी को लेकर जफरुल्लापुर गांव में पहुंचा तो उसी वक्त गांव से गुजर रही 11हजार की लाइन गन्ने से भरे ट्रक से जैसे ही टच हुई तुरंत ट्रक में 11हजार वोल्ट का करंट दौड़ गया। यह देख गांव में हड़कंप मच गया। ड्राइवर को ग्रामीणों ने आनन फानन में एंबुलेंस द्वारा कोतवाली देहात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे भर्ती कराया। जहां से चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर किया। घायल को जिला अस्पताल ले जाते हुए मोनू ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।वहीं मृतक के परिजनो ने बिना किसी कानूनी कार्रवाई के शव का अंतिम संस्कार किया। जफरुल्लापुर ग्रामीणो ने ट्रक को वहां से नहीं जाने दिया। जिस कारण उक्त गन्ना केंद्र पर तोल भी बाधित रही। स्थानीय निवासी करण सिंह, अशोक कुमार, भोले सिंह, मनीराम, सुरेंद्र, वीर सिंह, मुन्नू सिंह ,मुनेश, चतर सिंह, शेख जो, फिरोज आदि ने गांव से गुजर रही 11 लाइन हटाने या गांव में केब्ल डलवाने और गांव से गुजर रहे ओवरलोड ट्रक पर रोक लगाने की मांग की है।

तहसील की अवैध कब्जाई गई भूमि शीघ्र होगी कब्जा मुक्तः एसडीएम

▶▶ एसडीएम ने तहसीलदार व समस्त लेखपालों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

अमर भास्कर ब्यूरो

नगीना। एसडीएम नगीना और तहसीलदार ने समस्त लेखपालों की बैठक बुलाई। जन समस्याओं को लेकर सभी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एसडीएम मांगेराम चौहान की अध्यक्षता में तहसील सभागार में समस्त लेखपालों के साथ बैठक की गई।

उप जिलाधिकारी नगीना मांगेराम चौहान ने व तहसीलदार प्रभा सिंह ने लेखपालों की बैठक में निम्न बिंदु पर चर्चा की गई। जिसमें चरागाह कि भूमि को कब्जा मुक्त करने के लिए तथा अंश निर्धारण का कार्य पूर्ण किया जाए ,गरीब लोगों को कंबल वितरण किया जाए, खनन मिट्टी का कार्य रात में नए किया जाए हाईवे को छोड़कर गौशाला की जमीन को सेक्रेटरी के सुपुर्द किया जाए। उप जिलाधिकारी मांगेराम चौहान ने पत्रकारों को बताया कि राजस्व विभाग के कार्यों के संबंध और भू माफियाओं के संबंध में राजस्व विभाग की मीटिंग बुलाई गई जिसमें सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं उन्हें चिन्हित करके खाली करने की योजना बनाई गई तथा साथ साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाएं हैं जिसमें फॉर्म रजिस्ट्री है अंश निर्धारण, खतौनी का बनाना है ।या जन शिकायतें हैं उनमें किस तरह की दिक्कतें आ रही है उसे पर चर्चा की गई। इस अवसर पर नायब तहसीलदार नगीना अजब सिंह राणा तथा नायब तहसीलदार राजकुमार रजिस्ट्रार कानगो बलवीर सिंह तहसील स्तर के अधिकारी व समस्त लेखपाल उपस्थित रहे।

चेयरपर्सन पुत्र शाहनवाज खलील ने किया शिवालय हैल्थ केयर का भव्य शुभारम्भ

अमर भास्कर ब्यूरो

नगीना। शिवालय हेल्थ केयर का उद्घाटन नगर पालिका चेयरपर्सन के पुत्र शाहनवाज खलील ने फीता काटकर किया।

धामपुर रोड स्थित तड़का रेस्टोरेंट के निकट रविवार को शिवालय हेल्थ केयर का उद्घाटन पालिका चेयरपर्सन के पुत्र शाहनवाज खलील ने फीता काटकर किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि नगर में स्वास्थ्य को लेकर भारी कमी है ऐसे मौके पर हमारे शहर के बीच में एक एमबीबीएस डॉक्टर होना भी एक बड़ी गर्व की बात है इस अस्पताल के खुलने से नगीना व जिले के बाहर नहीं जाना पड़ेगा क्योंकि इस अस्पताल में हृदय रोग विशेषज्ञ से लेकर बाल रोग विशेषज्ञ तक के डॉक्टरों की सुविधा उपलब्ध मिलेगी इसी के साथ सीएचसी में तैनात डॉ. आशीष अहलावत भी इस अस्पताल में समय निकालकर ओपीडी लगाकर जनरल फिजिशियन का कार्य किया करेंगे। जिससे लोगों को सीएचसी में जाना नहीं पड़ा करेगा। इस मौके पर शाहनवाज खलील, शेख इरशाद, अहमद, रईस कुरैशी, जमील अहमद, डॉ. आनंद गहलोत, डॉ. चंद्रपाल सिंह, डॉ. महिपाल सिंह, अफजाल कुरैशी, जहीर कुरैशी, पीके बिश्नोई,डॉ अंजू बिश्नोई, डॉ अनिल पवार व अस्पताल प्रबंधक डॉ राजकुमार सहित डॉ. जाहिर खान आदि स्टा? के दर्जनों लोग मौजूद रहे।

ये काली काली आंखें में अपने किरदार के लिए गुरमीत चौधरी ने घटाया 10 किलो वजन

अभिनेता गुरमीत चौधरी को ये काली काली आंखें के नए सीजन में अपने दमदार किरदार में देखा जा सकता है। अपने इस खास किरदार के लिए अभिनेता ने अपने हेयर स्टाइल से लेकर अपने वजन घटाने पर भी काम किया। सीरीज में इस खास किरदार निभाने को लेकर गुरमीत ने काफी मेहनत की है। अपनी भूमिका में जान डालने के लिए अभिनेता ने सख्त डाइट और हैवी वर्कआउट से अपना लगभग 10 किलो तक वजन घटाया। ये काली काली आंखें में काम करने और अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अभिनेता गुरमीत ने कहा, सीरीज में गुरु का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद ही चुनौतीपूर्ण था। इसके साथ ही यह बेहद रोमांचक भी रहा। मेरे निर्देशक सिद्धार्थ सेनगुप्ता के पास मेरे किरदार के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण था, जिसके लिए मुझे बड़े पैमाने पर तैयारी करनी पड़ी। आगे कहा, मैंने इसके लिए कई एक्टिंग वर्कशॉप में भाग लिया, अपने लंबे बाल छोटे करवाए और वजन घटाने के लिए सख्त डाइट का पालन किया। मनचाहा लुक पाने के लिए मैं रोजाना बांद्रा में दौड़ने जाता था और आखिरकार मैंने 10 किलो वजन कम कर लिया। उन्होंने कहा कि इस सीरीज में काम करना मेरे लिए बेहद ही एक खास तरह का अनुभव था। मैं इसके लिए सिद्धार्थ सर का आभारी हूं , जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया और मुझमें गुरु के किरदार को देखा। ये काली काली आंखें नेटफ्लिक्स पर एक रोमांटिक क्राइम थ्रिलर टेलीविजन सीरीज है जिसे सिद्धार्थ सेनगुप्ता ने बनाया और निर्देशित किया है। इस सीरीज में श्वेता त्रिपाठी और आंचल सिंह भी मुख्य भूमिकाओं में हैं, साथ ही सौरभ शुक्ला, सूर्या शर्मा, अरुणोदय सिंह और बृजेंद्र काला भी सहायक भूमिकाओं में हैं। इस सीजन में गुरमीत चौधरी की भी एंट्री हुई है, जो पूर्वा का दोस्त है और उसे सुरक्षित घर वापस लाने की कसम खाता है। यह अस्तित्व का एक खतरनाक खेल है, और इस सीजन में गुरमीत चौधरी की दमदार एंट्री के साथ, दांव और भी बढ़ गए हैं। एजस्टॉर्म वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित, ये काली काली आँखें सीजन 2, 22 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुआ। गुरमीत ने 2009 की टेलीविज़न सीरीज़ रामायण में देबिना बनर्जी के साथ राम की भूमिका निभाकर प्रसिद्धि पाई। इसमें देबिना ने सीता की भूमिका निभाई थी। अभिनेता ने गीत-हुई सबसे पराई, पुनर्विवाह, झलक दिखला जा, नच बलिए 6, फियर फैक्टर-खतरों के खिलाड़ी (सीजन 5) जैसे शो का हिस्सा ले चुके हैं। बॉलीवुड में गुरमीत की पहली फिल्म 2015 में आई थी।

सामंथा ने बताया कैसे तलाक के बाद ध्वस्त हो गईं जीवन से जुड़ी योजनाएं

सामंथा रूथ प्रभु और नागा चैतन्या ने साल 2021 में तलाक की घोषणा की थी। दोनों ने साल 2017 में शादी के बंधन में बंधने का फैसला किया था, लेकिन उनका ये रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं टिक सका। साल 2021 में दोनों ने तलाक ले लिया। तलाक के बाद अभिनेत्री ने अनुपमा चोपड़ा के साथ बातचीत के दौरान कहा था कि जीवन के लिए उनके द्वारा बनाई गई सभी योजनाएं ध्वस्त हो गई हैं। अब उनका ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेत्री तलाक को लेकर बात करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने कहा, मेरा मतलब है, 2021 में मेरे निजी जीवन में जो कुछ भी हुआ है, उसे लेकर वास्तव में मुझे कोई उम्मीद नहीं थी। मेरी सभी सावधानीपूर्वक बनाई गई योजनाएं ध्वस्त हो गई हैं, इसलिए मुझे कोई उम्मीद नहीं है। भविष्य में मेरे लिए जो कुछ भी है, मैं उसके लिए तैयार हूं। मैं बस इतना जानती हूं कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगी। अभिनेत्री ने तलाक के बाद हुई आलोचनाओं को लेकर कहा, मेरे बारे में बहुत सी ऐसी बातें कही गईं जो बिल्कुल झूठ थीं। मुझे याद है कि जब चीजें वास्तव में बहुत खराब थीं। मेरे खिलाफ पूरी तरह से झूठ फैलाए जा रहे थे, तब मैंने खुद से यह बातचीत की थी। कई बार ऐसा हुआ जब मैं सामने आकर कहना चाहती थी कि यह सच नहीं है, मैं आपको सच बताती हूं।

श्वेता त्रिपाठी की दर्शकों से गुजारिश

महिला केंद्रित कहानियों को कीजिए सपोर्ट

श्वेता त्रिपाठी ने कई फिल्मों और वेब सीरीज में उम्दा काम किया है। इस समय वह अपनी नई वेब सीरीज ये काली काली आंखें 2 को लेकर काफी उत्साहित हैं। इसमें उन्होंने काफी अलग रोल निभाया है। लेकिन इसके बावजूद वह मानती हैं कि अब भी महिला कलाकारों को उतने अच्छे रोल नहीं मिलते हैं, जितने की मिलने चाहिए।

पुरुष कलाकारों को मिलती हैं अच्छी कहानियां

हाल ही में एक इंटरव्यू में श्वेता त्रिपाठी कहती हैं कि पुरुष कलाकारों को बेहतर कहानियां मिलती हैं। इसलिए उनकी ख्वाहिश भी पुरुष किरदार निभाने की है। इसके अलावा वह दर्शकों से भी गुजारिश करती हैं कि महिला प्रधान फिल्मों और शो का समर्थन करें।

ये काली काली आंखें 2 के किरदार से खुश

श्वेता त्रिपाठी आगे कहती हैं कि मैं चाहती हूं कि मेरे किरदार एक-दूसरे से अलग हों। वेब सीरीज ये काली काली आंखें 2में शिखा का किरदार मुझसे बहुत अलग है और मैं उसकी दुनिया में कदम रखने की चुनौती का आनंद ले रही हूं। इस सीरीज की कहानी थ्रिलर वाली है, जिसमें श्वेता के साथ ताहिर राज नजर आ रहे हैं।

मिर्जापुर में किया था दमदार रोल

श्वेता त्रिपाठी ने वेब सीरीज मिर्जापुर में भी गोलू का किरदार निभाया था। इसमें वह काफी दमदार किस्म के किरदार को निभाती हुई दिखीं। दर्शकों ने उनको इस रोल में काफी सराहा। उनके साथ इस सीरीज में कई उम्दा कलाकार भी थे, जिसमें पंकज त्रिपाठी और अली फजल जैसे नाम शामिल रहे।

आगे भी अच्छा काम करेंगी

आगे भी श्वेता का मन अच्छी और बेहतरीन फिल्में करने का है। इस समय तो वह वेब सीरीज ये काली काली आंखें 2 पर ही ध्यान दे रही हैं। वह जानना चाहती हैं कि दर्शक इस सीरीज को कितना पसंद करते हैं। इस वेब सीरीज की सफलता श्वेता के करियर में बहुत ज्यादा ही मायने रखती है।

तापसी ने शाहरुख के व्यक्तित्व पर की बात

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को जितनी तारीफें उनकी शानदार अभिनय क्षमता के लिए मिलती हैं, उतनी ही तारीफें उन्हें उनके व्यवहार के लिए मिलती है। हाल में ही शाहरुख के साथ फिल्म डंकी में काम कर चुकीं अभिनेत्री तापसी पन्नू ने उनकी तारीफ की है। उन्होंने किंग अभिनेता की बुद्धिमत्ता, उनकी मौजूदगी आदि चीजों को लेकर बात की है। तापसी ने कहा कि शाहरुख में कुछ ऐसे गुण हैं, जो उनको दूसरों से अलग करते हैं। वो अपने आप में बेजोड़ हैं। तापसी ने डंकी के दौरान शाहरुख खान के साथ काम करने को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, ऐसे बहुत कम लोग हैं, जिनकी ऑन-स्क्रीन उपस्थिति ही नहीं, बल्कि ऑफ-स्क्रीन उपस्थिति भी होती है। वे बहुत पढ़े-लिखे हैं और आपसे कोई भी गहन बातचीत कर सकते हैं। तापसी ने शाहरुख खान को एक संपूर्ण व्यक्ति बताया है। उन्होंने कहा कि शाहरुख के पास बेहतरीन सेंस ऑफ ह्यूमर है और उनका दिमाग बातचीत के दौरान काफी सक्रिय भी रहता है, जो उन्हें एक संपूर्ण व्यक्ति बनाती है, जो उन्हें फिल्म इंडस्ट्री के अन्य लोगों से काफी अलग करती है। तापसी पहले ऐसी फिल्मी हस्ती नहीं हैं, जिन्होंने बॉलीवुड सुपरस्टार के व्यक्तित्व की तारीफ की।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले से मुक्त होंगी जैकलीन

जैकलीन फर्नांडीज का नाम काफी समय से ठग सुकेश चन्द्रशेखर से जोड़ा जाता रहा है। हाउसफुल 5 की अभिनेत्री ने हमेशा सुकेश के नाम से जुड़े सभी अवैध मामलों से अपने संबंधों से इनकार किया है। इस बीच, अभिनेत्री के वकील ने तर्क दिया है कि जैकलीन सुकेश के अवैध मामलों से अनजान थीं, और उन पर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुकदमा नहीं चलाया जाना चाहिए। जैकलीन फर्नांडीज के वकील ने दलील दी है कि उन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप नहीं लगाया जा सकता क्योंकि वह पैसे कमाने के उद्देश्य से किसी अपराध का हिस्सा नहीं थीं। फर्नांडीज का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ अग्रवाल ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष दलील दी। यह मामला ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनके खिलाफ दायर आरोप पत्र से संबंधित है। अग्रवाल ने आगे तर्क दिया कि फर्नांडीज को इस बात का अंदाजा नहीं था कि उन्हें चंद्रशेखर से जो गिफ्ट मिले थे, वे ठगी के पैसे से खरीदे गए थे। उन्होंने कहा, आपराधिक गतिविधि में संलिप्तता दिखाने के लिए ज्ञान आवश्यक है। वरिष्ठ अधिवक्ता ने विजय मदनलाल चौधरी के मामले में पिछले फैसले का भी हवाला दिया, जिसका अर्थ है कि जांच के दौरान जब्त की गई सभी संपत्ति आवश्यक रूप से अपराध की आय नहीं है। अग्रवाल ने यह भी तर्क दिया कि एक ही तथ्य पर दो मामले नहीं चलाए जा सकते। उन्होंने कहा कि अदिति सिंह से जबरन वसूली के एक मामले में मकोका के तहत मुकदमा चलाया जा रहा है और अभिनेत्री उस मामले में गवाह हैं। इसलिए, उन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप नहीं लगाया जा सकता क्योंकि वह किसी अपराध सिंडिकेट का हिस्सा नहीं हैं और उन्होंने इससे कोई आर्थिक लाभ नहीं उठाया है।

3 दिसंबर को होगी अगली सुनवाई

एएनआई के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब फर्नांडीज द्वारा उस आरोप पत्र के खिलाफ दायर याचिका में अपनी दलीलें पेश करेगा, जिसमें उन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया गया था। न्यायमूर्ति अनीश दयाल ने मामले की अगली सुनवाई 3 दिसंबर को तय की है, जहां ईडी के विशेष वकील की दलीलें सुनी जाएंगी।

तेलुगु फिल्म बेबी के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे बाबिल-कृति

कला और फ्राइडे नाइट प्लान जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से सुर्खियां बटोरने वाले अभिनेता बाबिल खान अब बॉलीवुड में बड़ा धमाल मचाने को तैयार हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बाबिल जल्द ही हिट तेलुगु फिल्म बेबी के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे। वह इस फिल्म में आनंद देवरकोंडा वाले किरदार को निभाते दिखेंगे। सूत्रों के अनुसार फिल्म के लिए मुख्य अभिनेत्री की तलाश अभी जारी है। तेलुगु संस्करण में वैष्णवी चैतन्य की अदाकारी को दर्शकों ने खूब सराहा था। वहीं, हिंदी संस्करण के लिए दक्षिण भारतीय अभिनेत्री कृति शेट्टी के नाम की चर्चा जोरों पर है। बाबिल और कृति के फिल्म में नजर आने की फिलहाल कोई भी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। हालांकि, दोनों ही कलाकारों के एक साथ नजर आने की चर्चा से फैंस काफी ज्यादा उत्साहित हो गए हैं।

सुपर 30 में दिख चुकी हैं कृति

माना जा रहा है कि बॉलीवुड में कदम जमाने के लिए यह फिल्म बाबिल खान के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। कृति शेट्टी के लिए भी यह फिल्म बॉलीवुड रास्ते खोलने में कारगर साबित हो सकती है। इससे पहले कृति को सुपर 30 में एक छात्रा की भूमिका में देखा गया था।

द रेलवे मेन से बाबिल ने बटोरी थी सुर्खियां

वर्क फ्रंट की बात करें तो पिछले साल बाबिल को वेब सीरीज द रेलवे मेन में देखा गया था। इस शो में दिग्गज कलाकारों की मौजूदगी के बीच बाबिल ने अपने अभिनय से दर्शकों को काफी ज्यादा प्रभावित किया था। भोपाल गैस त्रासदी पर आधारित इस शो में उन्होंने इमाद रियाज नाम के शख्स की भूमिका निभाई थी। वहीं, कृति को हाल ही में मलयालम फिल्म एआरएम में देखा गया था। यह इस इंडस्ट्री में उनकी पहली फिल्म थी।

इस वजह से मल्लिका शेरावत ने ठुकरा दी 'द रॉयल्स'

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने राजकुमार राव की फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में तृप्ति डिमरी फीमेल लीड के रूप में नजर आईं। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें शुरू में नेटफ्लिक्स शो 'द रॉयल्स' का हिस्सा बनने के लिए चुना गया था। यह एक मॉडर्न इंडियन रोमांटिक कॉमेडी सीरीज है। इस शो में उन्हें ईशान खट्टर की ऑनस्क्रीन मां की भूमिका के लिए चुना गया था। आइए जानते हैं अभिनेत्री यह ऑफर क्यों ठुकरा दिया था। मल्लिका ने ईशान खट्टर की ऑनस्क्रीन मां की भूमिका को ठुकराने का कारण भी बताया। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा, मुझसे कुछ वादा किया गया था और जो अनुवाद किया गया वह मुझे पेपर पर बहुत ही बेकार लगा। मुझे धोखा और निराश महसूस हुआ, इसलिए मैं इसका हिस्सा नहीं बनना चाहती थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इससे पहले मल्लिका की टीम ने बताया, मल्लिका ने प्रोडक्शन टीम के साथ रचनात्मक मतभेदों के कारण फरवरी में इस प्रोजेक्ट को छोड़ दिया। भूमिका शुरू में किए गए वादे के अनुरूप नहीं थी। कई चर्चाओं के बाद, उन्होंने आखिरकार इसे छोड़ने का फैसला किया। 'द रॉयल्स' में भूमि पेडनेकर, जीनत अमान, चंकी पांडे और नोरा फतेही, चंकी पांडे और डिनो मोरिया, विहान समत, काव्या त्रेहान, सुमुखी सुरेश, उदित अरोड़ा, लिसा मिश्रा और ल्यूक केनी अभिनेत्री की क्षमता का हुआ कम उपयोग मल्लिका ने यह भी साझा किया कि उन्हें लगता है कि कॉमेडी शैली में उनका कम उपयोग किया गया है। उन्होंने कहा, लोगों ने अभी भी मेरी क्षमता का उपयोग नहीं किया है। मैं चाहती हूं कि इंडस्ट्री मेरी कॉमिक टाइमिंग और मेरी क्षमता का अधिक से अधिक कॉमेडी में उपयोग करें, क्योंकि मुझे कॉमेडी करना पसंद है। मुझे लगता है कि कॉमेडी में मेरा कम उपयोग किया गया है और मैं चाहती हूं कि इंडस्ट्री मुझे अधिक से अधिक कॉमिक भूमिकाएं दे। साथ ही, मैं अब ऐसी भूमिकाएं करना चाहती हूं, जिसमें दम हो।

फौजा के रीमेक पर राज शांडिल्य बोले

दुनिया के सबसे बुजुर्ग मैराथन धावक फौजा सिंह पर आधारित फौजा के रीमेक को लेकर निर्माता राज शांडिल्य ने बात की। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी कहानी है, जो क्षेत्रीय सीमाओं को पार करती है, उन्हें यह फिल्म हिंदी सिनेमा में लाने पर गर्व है। विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के निर्माता, राज शांडिल्य और विमल लाहोटी ने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म 'फौजा' का हिंदी में रीमेक के लिए टीम बनाई है। राज और विमल ने रीमेक के अधिकार हासिल कर लिए हैं। राज शांडिल्य के इस बड़े प्रोजेक्ट का निर्माण उनके बैनर कथावाचक फिल्म्स के तहत किया जाएगा। फिल्म के बारे में बात करते हुए शांडिल्य ने कहा, फौजा एक ऐसी कहानी है, जो भाषा और क्षेत्रीय सीमाओं को पार करती है। मुझे हिंदी सिनेमा में फौजा लाने पर गर्व है। 'फौजा' वास्तव में असाधारण साहस और भावना की कहानी है, जो देश भर के दर्शकों के द्वारा अनुभव की जाने योग्य है। मेरा लक्ष्य भी यही है कि एक ऐसी फिल्म तैयार हो जो हिंदी भाषी दर्शकों के साथ ही सभी को पसंद आए। निर्माता विमल लाहोटी ने इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह व्यक्त किया और कहा, फौजा' उत्कृष्ट क्षेत्रीय सिनेमा को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम प्रभावशाली कहानी कहने में विश्वास करते हैं और फौजा का हिंदी रीमेक असाधारण क्षेत्रीय सिनेमा को दर्शकों तक पहुंचाने की दिशा में एक कदम है। इस तरह के बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। 'फौजा' का हिंदी में निर्माण एक ऐसी कहानी को फिर से बताने का एक अविश्वसनीय अवसर है, जिसने पहले ही कई लोगों के जीवन पर शानदार असर डाला है।